मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 7
रविवार, 13 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-4
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

पायलट की गलती साबित करने की हड़बड़ी', पायलट्स एसोसिएशन का दावा; रिपोर्ट लीक करने का लगाया आरोप

अहमदाबाद, 12 जुलाई। 12 जून को अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के अक 171 पर विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की प्रारंभिक रिपोर्ट पर एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलपीए-आई) ने कई सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप भी लगाए हैं। एसोसिएशन ने कहा, 'जांच का लहजा और जांच की दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत दे रही है। हम इस धारणा को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हम निष्पक्ष और तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं।' बयान में आरोप लगाया गया कि एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट मीडिया को लीक की गई। एसोसिएशन को इस बात की चिंता है कि प्रारंभिक एएआईबी रिपोर्ट बिना किसी जिम्मेदार अधिकारी के हस्ताक्षर या जानकारी के मीडिया के साथ साझा की गई। एसोसिएशन ने

जांच में पारदर्शिता के अभाव का भी आरोप लगाया। कहा गया कि जांच पूरी तरह से गोपनीय रही। इससे विश्वसनीयता पर असर हुआ और जनता भी इससे पूरी तरह से आश्वस्त नहीं है। इसके अलावा योग्य, अनुभवी कर्मियों विशेष रूप से लाइन पायलटों को अभी भी जांच दल में शामिल नहीं किया जा रहा है। एसोसिएशन ने रिपोर्ट लीक होने के दावे भी किए। बयान में कहा गया कि वॉल स्ट्रीट जर्नल में 10 जुलाई के एक लेख में ईंधन नियंत्रण स्विच में गड़बड़ी का जिक्र था। ऐसे में सवाल उठता है कि इतनी संवेदनशील जांच की जानकारी अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कैसे लीक हो गई। एसोसिएशन ने कहा कि रिपोर्ट में ईंधन नियंत्रण स्विच गेट्स से संबंधित एक सर्विसेबिलिटी बुलेटिन का जिक्र है, जो संभावित उपकरण खराबी का संकेत देता है। जब तक बुलेटिन मौजूद है, एसोसिएशन इस बात पर स्पष्टता चाहता है कि क्या बुलेटिन की सिफारिशों को उड़ान से पहले लागू किया गया था।

एसोसिएशन ने कहा ने कहा कि जांच का लहजा और दिशा पायलट की गलती की ओर झुकाव का संकेत देती है। हम इस धारणा को साफ तौर पर खारिज करते हैं और निष्पक्ष, तथ्य-आधारित जांच पर जोर देते हैं। एसोसिएशन ने कहा कि हम पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जांच प्रक्रिया में कम से कम पर्यवेक्षकों के रूप में शामिल किए जाने के अपने अनुरोध को दोहराते हैं। अहमदाबाद विमान हादसे को लेकर एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की शुरूआती रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, एअर इंडिया का बोइंग 787-8 विमान (एआई 171) 12 जून को जब अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने लगा तो केवल तीन सेकेंड बाद ही ईंधन की आपूर्ति बंद हो गई। टेकऑफ के बाद दोनों इंजनों की ईंधन आपूर्ति बंद होते ही केवल 29 सेकेंड बाद विमान मेघाणीनगर में क्रैश हो गया। एएआईबी की रिपोर्ट के मुताबिक, टेकऑफ के समय ईंधन सप्लाई बंद होते ही इंजनों की पंखे की गति कम होने लगी थी। 213.4 टन वजन के साथ उड़ा विमान हवाई अड्डे की परिधि की दीवार पार करने से पहले ही नीचे आने लगा। इस समय विमान में 54,200 किलोग्राम फ्यूल था और टेक-ऑफ वजन 2,13,401 किलोग्राम रहा, जो अधिकतम अनुमत वजन 2,18,183 किलोग्राम से कम था। रिपोर्ट में कहा गया है कि एयरक्राफ्ट ने 180 नॉट्स की अधिकतम रफ्तार हासिल की और उसी दौरान दोनों इंजनों के फ्यूल कटऑफ स्विच रन से कटऑफ में बदल गए।

चीन के स्कूलों में कैदी की तरह रह रहे 10 लाख तिब्बती बच्चे

4500 साल पुरानी संस्कृति को नष्ट कर रही चिनफिंग सरकार

नई दिल्ली। चीन तिब्बत का एक चेहरा दुनिया को दिखाता है, जिसमें शानदार गगनचुंबी इमारतें हैं और शानदार इंफ्रास्ट्?क्चर है। लेकिन तिब्बत का एक दूसरा चेहरा भी है, जिसे दुनिया से छिपाकर रखा जाता है। छिपाकर रखे गए इन चेहरों में चीन सरकार की तरफ से वहां चलाए जा रहे बोर्डिंग स्कूल भी हैं, जिसमें लाखों बच्चों को कैदी की तरह जबरदस्ती रखा जाता है। इस बात का पदार्फाश तिब्बतन एक्शन इंस्टीट्यूट (टीएआई) की एक नई रिपोर्ट में किया गया है। इसे शुक्रवार को एक कार्यक्रम में रिलीज किया गया। इसके मुताबिक, 10 लाख के करीब तिब्बती बच्चों को सरकार की तरफ से संचालित बोर्डिंग स्कूलों में रखा गया है। इसमें चार से छह वर्ष के बच्चों की संख्या एक लाख से ज्यादा है। टीएआई की यह रिपोर्ट कई वर्षों की साहसिक मेहनत का काम है। जिसमें इन बच्चों के सैकड़ों अभिभावकों का साक्षात्कार शामिल है। टीएआई ने कहा है कि चीन की सरकार जहां दलाई लामा संस्थान पर ही सवाल उठा रही है और उन्हें गलत साबित करने की कोशिश कर रही है, वहीं बोर्डिंग स्कूल के नेटवर्क के जरिये तिब्बती बच्चों को निशाना बनाया जा रहा है। इसका एकमात्र उद्देश्य तिब्बत के असली निवासियों की पहचान को खत्म करना है। इस ग्राउंड रिपोर्ट को तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले डॉ. ग्याल लो का कहना है कि 4500 साल पुरानी परंपरा और संस्कृति को नष्ट करने की यह रणनीति राष्ट्रपति शी चिनफिंग की है। इसमें से अधिकांश स्कूल ग्रामीण इलाकों में हैं, जहां छोटे- छोटे बच्चों को निशाने पर लिया जाता है। इसमें 18 वर्ष से कम आयु. के बौद्ध भिक्षुओं को भी जबरदस्ती भर्ती किया जाता है। बच्चों को जबरन उनके परिवारों से अलग कर दिया जाता है। आमदो और खाम राज्य में इस तरह के 50 से ज्यादा स्कूलों का दौरा करने के बाद रिपोर्ट तैयार की गई है। यहां तिब्बत के बौद्ध धर्म के बारे में नहीं बल्कि चीन की पहचान, एकल संस्कृति और चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी के बारे में बताया जाता है। तिब्बत एक्शन ने संयुक्त राष्ट्र, भारत सरकार व दुनिया के अन्य देशों से आग्रह किया है कि वह चीन की सरकार से इस रिपोर्ट की जांच कराने की मांग करे।

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर दर्दनाक हादसा, सिख यात्रियों की छाती पर चढ़ा ट्रक, दो की मौत

श्रीनगर गढ़वाल 12 जुलाई। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर कीर्तिनगर के बागवान के समीप शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। हादसे में बाइक सवार दो सिख श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों श्रद्धालु हेमकुंड साहिब के दर्शन कर पंजाब लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनप्रीत सिंह (28 वर्ष), निवासी ग्राम चरवकला, थाना राजपुरा, जिला पटियाला और गुरदीप सिंह (22 वर्ष), निवासी ग्राम पोला, जिला पटियाला, मोटरसाइकिल से ऋषिकेश की ओर लौट रहे थे।

इस दौरान बागवान शराब ठेके से करीब 400 मीटर पहले, एक तेज रफ्तार ट्रक ने रॉन्ग साइड में आकर उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों श्रद्धालु ट्रक के नीचे फंस गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। ट्रक ऋषिकेश से श्रीनगर की ओर आ रहा था।

घटना के बाद कीर्तिनगर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को एम्बुलेंस से बेस अस्पताल श्रीकोट की मोर्चरी में भेजा गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कीर्तिनगर ने बताया कि दोनों मृतकों के परिचित भी मौके पर मौजूद हैं, जो उनके साथ यात्रा कर रहे थे। ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

प्रारंभिक जांच में संभावना जताई जा रही है कि चालक को नींद की झपकी आने से वाहन राऩ्ग साइड चला गया होगा। पूछताछ के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। दोनों वाहन पुलिस की हिरासत में ले लिए गए हैं और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है।

किशोरी को कार से ले गए तीन युवक, परेशान पिता कर रहा तलाश

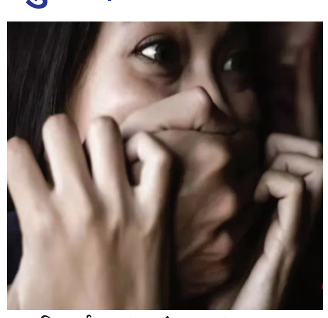

डिबाई (बुलंदशहर) **12 जुलाई।** खेत से चारा काटने गई एक किशोरी को गांव के तीन युवक कार में बिठाकर बहला फुसला कर ले गए। किशोरी के पिता ने तीनों लोगों के खिलाफ मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी एक व्यक्ति ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि नौ जुलाई की सुबह उसकी 17 वर्षीय पुत्री खेत से चारा काटने गई थी। खेत पर पहुंचे से पहले रास्ते में उसी के गांव में रहने वाले तीन युवक उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर कार में बैठकर कहीं ले गए। पुत्री जब घर नहीं पहुंची, तो उसने आसपास काफी तलाश किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। किशोरी के पिता ने गांव निवासी मुनेश, विवेक व मनोज कुमार के खिलाफ घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। क्षेत्र के एक गांव निवासी कक्षा दस की छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। स्वजन ने थाना औरंगाबाद में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय पुत्री कक्षा 10 की छात्रा है। 10 जुलाई को रोजमर्रा की तरह उक्त छात्रा ई-रिक्शा द्वारा कालेज में पढ़ने के लिए जा रही थी।

'कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं' कपिल शर्मा को अब खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने दी धमकी

नई दिल्ली 12 जुलाई। कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा स्थित कैफे पर फायरिंग के मामले में कनाडा पुलिस जांच कर रही है। शुरूआती जांच में खालिस्तानी समर्थक के शामिल होने की आशंका जताई गई है। इस बीच खालिस्तानी संगठन सिख फॉर जस्टिस के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने धमकी भरा वीडियो जारी किया है। पन्नू ने वीडियो मैसेज जारी कर कहा, ?कनाडा तुम्हारा खेल का मैदान नहीं है। अपनी खून की कमाई वापस हिन्दुस्तान ले जाओ। उसने कपिल शर्मा पर हिन्दुत्व विचारधारा फैलाने का आरोप लगाया। बता दें,

कपिल शर्मा ने 4 जुलाई को ब्रिटिश कोलंबिया के सरे शहर में अपना कैफे खोला था। 10 जुलाई की रात अज्ञात लोगों ने इस कैफे पर फायरिंग की। इस हमले की जिम्मेदारी हरजीत सिंह लाडी और तूफान सिंह ने ली है, जो प्रतिबंधित आतंकी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े हैं। BKI को कनाडा सरकार ने भी आतंकी संगठन माना है और हरजीत सिंह लाडी भारत की नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी की मोस्ट वांटेड लिस्ट में भी शामिल है। भारत में पन्नू के खिलाफ 104 केस दर्ज हैं, जिनमें से कई मामलों की जांच NIA और संबंधित राज्यों द्वारा की जा रही है। एनआईए के अनुसार, पन्नू और SFJ का मकसद भारत सरकार को अस्थिर करना और पंजाब समेत कई राज्यों में अशांति फैलाना है।

बीच सड़क पर शराब पी रहे थे सिपाही, महिला इंस्पेक्टर ने मना किया तो उस पर चढ़ा दी गाड़ी

बुलंदशहर। बीच सड़क कार खड़ी कर उसमें शराब पीने एवं पर गाड़ी को साइड में करने को कहना महिला थाने की प्रभारी निरीक्षक को भारी पड़ा है। कार सवार दो सिपाहियों ने प्रभारी निरीक्षक से अभद्रता कर, कार उनके पैर पर चढ़ा दी। नगर कोतवाल ने मौके पर पहुंच दोनों पक्षों को समझाबुझा मामला शांत कराया, सिपाहियों का मेडिकल परीक्षण कराया। हालांकि रविवार को एसएसपी ने आरोपित दोनों सिपाहियों अनुज चौधरी और रूधन खोखर को लाइन हाजिर कर दिया है। दरअसल, फालवर अर्थात रसोईया के बीमार होने के कारण महिला थानाध्यक्ष शनिवार की रात होटल से खाना लेकर कार से थाने स्थित आवास पर जा रही थीं। आरोप है कि रिपोर्टिंग पुलिस चौकी नई मंडी पर तैनात दो सिपाही आवास विकास से महिला थाने को जाने वाले रास्ते पर बीच में कार खड़ी कर शराब पी रहे थे। जिस पर महिला थानाध्यक्ष रजनी वर्मा ने अपनी कार से नीचे उतर रास्ते से गाड़ी हटाने को कहा।

मां की आंखों के सामने बेटे को दी दर्दनाक मौत, शिव मंदिर के सामने मांस बेचने का कर रहा था विरोध

दमोह, 12 जुलाई। सावन के पवित्र महीने में शिव मंदिर के सामने मांस बिक्री का विरोध कर रहे एक युवक की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार शाम दमोह के पठानी मोहल्ला क्षेत्र में घटी, जहां राकेश रैकवार उर्फ रक्के (32) को कथित रूप से एक कार से कुचलकर जान से मार डाला गया। पीड़ित की मां नन्नी बाई रैकवार ने इस घटना को सुनियोजित हत्या बताया है। जानकारी के अनुसार, अजमेरी गार्डन स्थित शिव मंदिर के सामने अकील खान और उसके पिता नासिर खान द्वारा मांस की दुकान चलाई जा रही थी, जिसका स्थानीय लोगों ने बार-बार विरोध किया था। राकेश इस विरोध की अगुवाई कर रहा था और प्रशासन से शिकायतें भी की थीं। शुक्रवार को वह अपनी बीमार मां को डॉक्टर के पास लेकर जा रहा था, तभी कार से उसे टक्कर

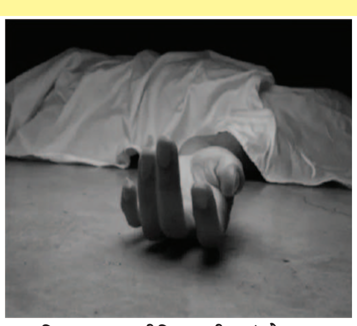

मार दिया गया। पीड़ित की मां ने मीडिया को बताया, मेरे सामने मेरे बेटे को कुचल दिया गया। कार अकील चला रहा था और उसके पिता नासिर ने इशारा किया। ये कोई हादसा नहीं, बल्कि हत्या है। प्रत्यक्षदर्शियों का भी कहना है कि घटना अचानक नहीं हुई, बल्कि यह एक पूर्व नियोजित हमला था।

घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव फैल गया। हिंदू युवा वाहिनी, मांझी समाज और कई स्थानीय संगठनों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। शनिवार को राकेश के शव का पोस्टमार्टम हुआ, जिसके बाद लोगों का आक्रोश और भड़क गया। एडिशनल एसपी सुजीत भदौरिया ने पुष्टि की कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या का मामला है। अकील और नासिर खान को गिरफ्तार कर लिया गया है और हत्या की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। घटना में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त कर ली गई है। पुलिस ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से यह साफ हो गया है कि हमला जानबूझकर किया गया। विवादित मांस दुकान और अवैध कब्जे की भी जांच शुरू कर दी गई है। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि स्थिति

दसवीं पूण्य तिथि

जन्मः 15-9-1948

मृत्युः 13-7-2015

श्री फागुराम सुखई प्रजापति
(पी. एस. प्रजापति)

"आपके आदर्श, उच्च विचार व विनम्रता हमे सदा प्रेरित करेगें, आप सदा हमारे दिलोमे रहेगें."

पत्नीः श्रीमती प्रेमलता पी. प्रजापति
पुत्रः शरद पी. प्रजापति
विजय पी. प्रजापति
एवं समस्त प्रजापति परिवार

PSP Group of Companies,
All Staff & Members

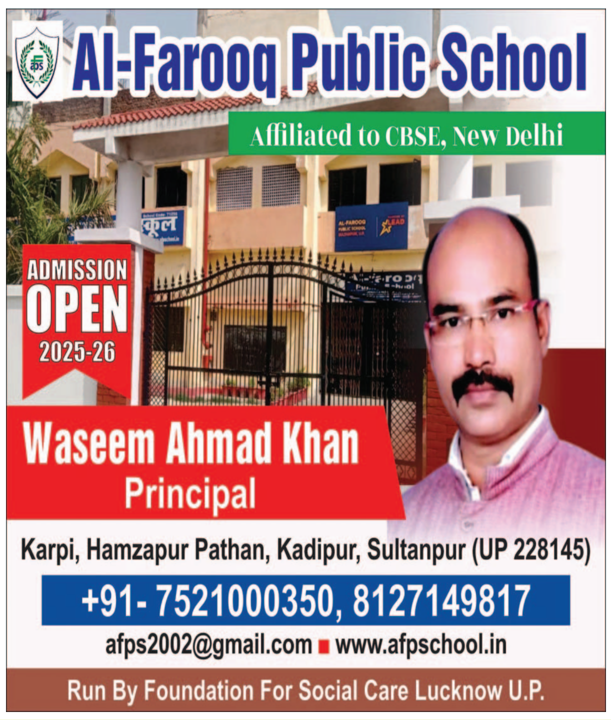

राजनाथ सिंह: रक्षा, राष्ट्रीयता और राजनीतिक कौशल के प्रतीक

-ललित गर्ग

भारत के राजनीतिक आकाश पर जिन व्यक्तित्वों ने अपनी सादगी, दृढ़ता, राष्ट्रभक्ति और कर्मठता से अमिट छाप छोड़ी है, उनमें राजनाथ सिंह का नाम शीर्ष पर आता है। राजनाथ सिंह आज देश के रक्षा मंत्री के रूप में भारत की सुरक्षा नीति, सामरिक रणनीति और आत्मनिर्भर रक्षा तंत्र के मजबूत स्तंभ बन चुके हैं। उनका राजनीतिक जीवन एक प्रेरणा की तरह है-जहां संघर्ष है, सिद्धांत हैं, और राष्ट्रहित सर्वोपरि है। उनकी लोकप्रियता एवं राजनीतिक कद यूं ही शिखरों पर आरुढ़ नहीं हुआ है, भारत के नवनिर्माण की उनकी प्रभावशाली शैली इसका कारण है। एक तरफ उन्होंने भारत की आजादी के अमृतकाल में रक्षा क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भरता बल्कि निर्यातक की भूमिका निर्मित की है, वही दूसरी ओर स्वराज्य, नये भारत-विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हाल ही में चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। राजनाथ सिंह जैसे साहसी, निर्भीक एवं कद्दावरी नेताओं के कारनामों को दुनिया देख रही है, भारत अब पुराने वाले भारत नहीं रहा, जिसे दबाया जा सकता है। यह नया भारत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई करवटें ले रहा है। इसका नवनिर्माण हो रहा है। आज पूरी दुनिया में भारत की विश्वसनीयता है, राजनाथ सिंह ने स्वदेशी रक्षा उत्पादों की दृष्टि से दुनिया में इस विश्वसनीयता को निर्मित किया है। भारत के रक्षा उत्पाद दुनियाभर में निर्यात हो रहे हैं, उनकी गुणवत्ता, प्रभावशीलता एवं पूर्णता में दुनिया का विश्वास बढ़ रहा है, जो एक क्रांतिकारी उपलब्धि है। ह्यमेक इन इंडियाह्न दुनिया में परचम फहरा रहा है, सफलता की नई कहानी लिख रहा है।

राजनाथ सिंह ने चीन और पाकिस्तान जैसे बाहरी खतरों के विरुद्ध रणनीतिक दृष्टिकोण ही नहीं अपनाया, बल्कि भारतीय रक्षा तंत्र को भी आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए हैं। रक्षा उत्पादन नीति के अंतर्गत उन्होंने कई विदेशी उपकरणों की आयात पर रोक लगाई और 100 से अधिक रक्षा सामग्रियों को ह्यनिषिद्ध सूचीह्न में डालते हुए भारत में ही निर्माण को प्राथमिकता दी। ह्यमेक इन इंडियाह्न अभियान को बल देते हुए उन्होंने स्वदेशी फाइटर जेट तोप, और ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहित किया। देश के निजी उद्योगों को भी उन्होंने रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित किया और डीआरडीओ के साथ साझेदारी के नए मॉडल लागू किए। ड्रोन तकनीक के क्षेत्र में उनकी दूरदृष्टि ने भारत को एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरने का मार्ग दिया है। हाल ही में 2000 करोड़ के ड्रोन प्रोत्साहन पैकेज के अंतर्गत उन्होंने न केवल सैन्य उपयोग के लिए बल्कि कृषि, ट्रैफिक प्रबंधन और आपदा राहत जैसे क्षेत्रों के लिए भी ड्रोन विकास को गति दी है। पाकिस्तान के संदर्भ में उनका रुख अत्यंत स्पष्ट रहा है-बातचीत तब ही संभव है जब आतंकवाद बंद हो और पाकिस्तान अपने गुनाह स्वीकार करे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि पाकिस्तान से कोई संवाद होगा, तो वह केवल पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) पर होगा। यह उनके नेतृत्व की स्पष्टता, साहसिकता और रणनीतिक स्थिरता को दर्शाता है। राजनाथ सिंह ने भारत की सामरिक नीतियों को केवल आक्रामकता ही नहीं दी, बल्कि संतुलन भी प्रदान किया है। उनका कहना है, हम शांति के पक्षधर हैं, लेकिन यदि कोई हमें ललकारेगा, तो हम उसे जवाब देना जानते हैं। यह भावना ही आज के भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित कर रही है। उनकी दूरदर्शिता और राष्ट्रप्रेम ने उन्हें देश के सर्वोच्च नेताओं की श्रेणी में स्थापित किया है। राजनाथ सिंह का व्यक्तित्व विनम्रता, नीतिपरक दृढ़ता और संतुलित संवाद का उदाहरण है। वे विरोधी विचारों का सम्मान करते हैं लेकिन राष्ट्रहित से समझौता नहीं करते। इसी विचारधारा को उन्होंने रक्षा मंत्री बनने के बाद अपनी कार्यशैली में उतारा। बीते वर्षों में भारत जिन आतंकी चुनौतियों का सामना कर रहा है, उसमें राजनाथ सिंह का रुख न केवल स्पष्ट रहा है बल्कि निर्णायक भी। कोई आंख तरेर कर तो देखें! पर ललकार की मुद्रा में वे कठोर जबाव देते हैं।

हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार ने जिस तत्परता और आक्रामकता से ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न को अंजाम दिया, वह भारत की बदली हुई सैन्य सोच का प्रतीक है। राजनाथ सिंह ने चीन एवं पाक के दोगलेपन पर यह स्पष्ट किया कि ह्लशांति केवल एक भ्रम है, हमें हर पल युद्ध जैसी तैयारी में रहना होगाह्व इस अभियान में भारतीय वायुसेना और नौसेना की संयुक्त कार्रवाई ने पाकिस्तान स्थित आतंकवादी अड्डों को ध्वस्त कर यह संदेश दे दिया कि भारत अब केवल प्रतिक्रिया नहीं, प्रति-प्रहार की नीति पर चलेगा। उन्होंने यह भी उजागर किया कि इस बार की कार्रवाई में स्वदेशी हथियारों और ड्रोनों की प्रमुख भूमिका रही, जो उनकी आत्मनिर्भर भारत रक्षा नीति की बड़ी सफलता है। जो नवनिर्माण की रफ्तार एवं नई कड़ी है। रक्षा मंत्री ने गर्व से बताया कि भारतीय सेना अब आयात पर निर्भर नहीं, बल्कि स्वदेशी तकनीक से आतंकवाद को जवाब दे रही है। उनका मानना है कि सुरक्षा केवल सीमाओं की रक्षा नहीं है, बल्कि राष्ट्र के आत्मबल और तकनीकी सामर्थ्य को विकसित करना भी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज के तकनीकी युग में, कंप्यूटर सूचना प्रौद्योगिकी, उपग्रह संचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्वांटम कंप्यूटिंग में प्रगति वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रही है। भारत ने इन नवाचारों को अपनाते हुए गतिशील आर्थिक परिदृश्य का निर्माण किया है। रक्षा मंत्री के रूप में राजनाथ सिंह आधुनिक युद्धकला में तेज गति से बदलाव कर रहे हैं एवं रक्षा में करिश्मा दिखा रहे हैं। उन्होंने युवाओं की प्रतिभा को सामने लाने के लिए रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स) और प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) जैसी योजनाएं शुरू की हैं, जिसके माध्यम से उनके साथ-साथ देश के सपने भी साकार हो सकते हैं। भारत के पास विकास और सुरक्षा को लेकर एक विशिष्ट दृष्टिकोण है, जिसने रक्षा में आत्मनिर्भरता को एक प्रमुख राष्ट्रीय लक्ष्य बनाया है। राजनाथ सिंह के सफल नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है, जिसके दूरगामी प्रभाव होंगे। राजनाथ सिंह ने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों से बदलते समय के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उच्च-स्तरीय तकनीकों पर नियंत्रण हासिल करने का आह्वान किया है, जिसका उद्देश्य उन्नत, अग्रणी और अत्याधुनिक नवाचार के क्षेत्र में भारत की स्थिति को और मजबूत करना है। भारत पहले कुछ कारणों से आधुनिक हथियारों और तकनीक के मामले में पीछे रह गया था, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व एवं दूरदर्शी रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के नये मंजिले-नये रास्तों की रफ्तार के साथ भारत अभूतपूर्व गति से रक्षा में आत्मनिर्भरता की ओर तीव्र गति से अग्रसर है। सिंह ने रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सोच एवं स्वदेशी उत्पाद को प्राथमिकता दी है। उनके नेतृत्व में देश में एक ऐसा डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स तैयार हो रहा है, जो केवल भारत की जरूरतों को नहीं, बल्कि दुनिया में रक्षा निर्यात की संभावनाओं को भी मजबूत करेगा। राजनाथ सिंह के पांच दशक के सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन की शुरूआत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ाव के साथ हुई। छात्र राजनीति से लेकर मुख्यमंत्री, पार्टी अध्यक्ष, गृह मंत्री और फिर रक्षा मंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचना उनके संगठनात्मक कौशल, राजनीतिक कर्मठता, प्रशासनिक नवाचार और वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उनके 74वें जन्मदिवस पर यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि राजनाथ सिंह जैसे नेता ही भारत को एक सुरक्षित, आत्मनिर्भर और सामर्थ्यवान राष्ट्र बनाने की दिशा में नेतृत्व दे रहे हैं। संस्कृति के अग्रदूत राजनाथ सिंह की दृष्टि में केवल वर्तमान नहीं, बल्कि भविष्य भी सन्निहित है। उनकी ईमानदारी, सादगी और राष्ट्रप्रेम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। यह जन्मदिवस केवल एक व्यक्ति का उत्सव नहीं, बल्कि भारत की रक्षा-संस्कृति, नीति और विचारधारा के सशक्त होने का प्रतीक है।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में मायावती की एंट्री से दोनों गठबंधनों को हो सकता है नुकसान

अशोक भाटिया

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने सियासी मैदान में पूरी सक्रियता साथ एंट्री लेने जा रही है। मायावती ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा है कि उनकी पार्टी राज्य में किसी गठबंधन के साथ नहीं, बल्कि अकेले दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी। साथ ही उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए सख्त कदम उठाने की अपील की है।बिहार में खासकर दलितों, अति पिछड़ों, शोषितों, गरीबों और महिलाओं के खिलाफ अन्याय, शोषण और हत्या की घटनाएं लंबे समय से चिंता का विषय रही हैं। लेकिन चुनाव से पहले भाजपा से जुड़े उद्योगपति और नेता गोपाल खेमका की राजधानी पटना में हुई हत्या ने कानून व्यवस्था की बदहाली को उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग अभी से इन घटनाओं पर संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करता है तो शांतिपूर्ण चुनाव कराना संभव होगा।

मायावती ने यह भी आरोप लगाया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण के दौरान बढ़ती हिंसा यह दिखा रही है कि कुछ शक्तियां अपने स्वार्थ के लिए माहौल को अस्थिर करना चाहती हैं। बसपा सुप्रीमो ने साफ किया कि बहुजन समाज पार्टी दलितों, पिछड़ों, शोषितों, मजदूरों और वंचित वर्गों की पार्टी है, जो अपने कैडर कार्यकताओं और शुभचिंतकों के बलबूते पर चुनाव लड़ती है।

इधर बहुजन समाज पार्टी में घर वापसी के बाद आकाश आनंद ने बिहार की सियासी पिच पर कदम रख दिया है। छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती के मौके पर पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित सम्मेलन में मायावती के भतीजे और पार्टी के राष्ट्रीय चीफ कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद की मौजूदगी ने पार्टी की नई उम्मीदों को जन्म दिया है। बिहार की राजनीति में यह उनकी पहली बड़ी परीक्षा मानी जा रही है जो बीएसपी के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।बिहार युवा आबादी वाला राज्य है और तमाम दल युवाओं को साधना चाहते हैं। बसपा भी बिहार विधानसभा चुनाव में दो दो हाथ के लिए तैयार है। पार्टी सभी 243 सीटों पर लड़ने की तैयारी कर चुकी है। इस तरह मायावती के भतीजे आकाश आनंद की पहली सियासी परीक्षा बिहार में होने जा रही है, लेकिन सवाल यही है कि क्या पार्टी को सियासी संजीवनी दे पाएंगे ?वैसे युवा आबादी वाला यह राज्य राजनीतिक दलों के लिए बेहद अहम बना हुआ है, क्योंकि एक आंकड़े के अनुसार बिहार की 58% आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है।

उसी सम्मेलन में आकाश आनंद कहा कि जिस तरह बहन मायावती ने उत्तर प्रदेश में दलित, पिछड़े और अति पिछड़ों को साथ लेकर इतिहास रचा है उसी तरह बिहार में भी बसपा एक नया सामाजिक परिवर्तन लेकर आएगी। मायावती ने साहू जी महाराज की स्मृति में गरीबों को जमीन देकर और शिक्षा को बढ़ावा देकर उत्तर प्रदेश में महत्वपूर्ण काम किया है जिसे बिहार में भी दोहराया जाएगा। मायावती ने अपने भतीजे और पार्टी के युवा चेहरा आकाश आनंद को चुनावी मैदान में उतारा है। आकाश आनंद ने बिहार में अपने पहले दौरे और कार्यकताओं की बैठक से चुनावी अभियान की शुरूआत कर दी है, जहां उन्होंने पार्टी कैडर में नया जोश भरने का प्रयास किया।

गौर करने वाली बात यह है कि उत्तर प्रदेश से सटे इलाकों में बसपा मजबूत है। गोपालगंज, चंपारण और शाहाबाद क्षेत्र बसपा का मजबूत पॉकेट माना जाता है। पार्टी दलित वोट में पिछड़ा औरत पिछड़ा का तड़का लगाना चाहती है। इसी क्रम में साहू जी महाराज की जयंती मनाई गई और जाति विशेष को साधने की कोशिश हुई बहुजन समाजवादी पार्टी की ओर से पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में साहू जी महाराज की जन्म जयंती के मौके पर सम्मेलन का आयोजन किया कार्यक्रम में बिहार भर से आए बसपा के कार्यकताओं ने हिस्सा लिया।

वोट बैंक की अगर बात कर ले तो बिहार में दलितों की आबादी 19।65% है। अति पिछड़ा आबादी 36.01% है तो पिछड़ों की आबादी 27.12% है। अगर तीनों वोट बैंक को जोड़ लिया जाए तो यह आंकड़ा 82% के आसपास पहुंच जाता है। इसी समीकरण के जरिए बसपा बिहार में अकेले दम पर सरकार बनना चाहती है। बसपा बिहार में किसी के साथ गठबंधन नहीं करना चाहती है और इसके संकेत भी साफ तौर पर दे दिए गए हैं।

दरअसल बिहार में बहुजन समाजवादी पार्टी का वोट प्रतिशत स्थिर नहीं रहा है। बसपा को 5% से कम वोट मिल रहा है। 1995 विधानसभा चुनाव की अगर बात कर ले तो बसपा को 1.34 प्रतिशत वोट मिले और खाते में दो सीटें गई। 2000 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 1.89% वोट मिले और खाते में पांच विधानसभा सीटें गयी। बता दें कि अक्टूबर 2005 के विधानसभा चुनाव में बसपा के वोट प्रतिशत में इजाफा हुआ और पार्टी को 4.17 प्रतिशत वोट हासिल हुए और पार्टी के खाते में चार विधानसभा सीट गई। 2010 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 3.21% वोट हासिल हुए और एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं हुई 2015 के चुनाव में बसपा को 2.5% वोट मिले और एक भी सीट खाते में नहीं गई 2020 के चुनाव में बसपा को 1.5% वोट हासिल हुए और एक सीट पर जीत हासिल हुई बाद में जीते हुए विधायक जमा खान जदयू में शामिल हो गये।

लोकसभा 2024 के चुनाव में बसपा को बिहार में कुल 1.75 फीसदी वोट मिले थे। उस समय बसपा 37 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। 7 सीटों औरंगाबाद, भागलपुर, बक्सर, गया, जहानाबाद, कटिहार, सासाराम पर तीसरे स्थान पर रही थी। वहीं, 6 सीटों अररिया, दरभंगा, गोपालगंज, हाजीपुर, जमुई, झंझारपुर, काराकाट, मधेपुरा, मधुबनी, महाराजगंज, पश्चिमी चंपारण, पाटलिपुत्र, पटना साहिब, पूर्णिया, उजियारपुर और वैशाली में चौथे स्थान पर थी।

वरिष्ठ पत्रकार कौशलेंद्र प्रियदर्शी, का कहना है कि ₹बहुजन समाजवादी पार्टी समय-समय पर अकेले चुनाव लड़ती रही है। उत्तर प्रदेश से सटे इलाकों में बहुजन समाजवादी पार्टी थोड़ी बहुत मजबूत है। बहुजन समाजवादी पार्टी एक जाति की राजनीति करती है। भले ही सभी सीटों पर लड़ने का दावा पार्टी की तरफ से किया जाता है लेकिन उनके पक्ष में नतीजा नहीं आते हैं। मायावती ने युवा नेता आकाश आनंद को मैदान में उतारा है और एक तीर से कई निशाना साधना चाहती है। उनके विधायक जीत तो जाते हैं, लेकिन जल्द ही वह दूसरे दल में शामिल चले जाते हैं।

हालांकि बताया यह भी जाता है कि बसपा वर्तमान में सबसे बुरे दौर से ही गुजर रही है। यूपी जैसे राज्य, जहां से बीएसपी उभरी, वहां उसका अब सिर्फ एक विधायक है। लोकसभा में कोई सांसद नहीं है। 2024 लोकसभा में पूरे देश में बसपा को सिर्फ 2 फीसदी ही वोट मिला था। यूपी में उसका वोट शेयर गिरकर 9.35 फीसदी परआ गया है। वहीं, लोकसभा के बाद महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी बसपा खाता नहीं खोल पाई। ऐसे में बिहार का चुनाव बसपा के लिए अहम है।

बताया जाता है कि बसपा बिहार में जेडीयू के वोट वैंक में सेंध लगाने की कोशिश कर रही है। बिहार में कुर्मी और कोइरी जदयू के कोर वोटर माने जाते हैं। लेकिन, बसपा इस बार चुनाव में बड़ी संख्या में कुर्मी-कोइरी जाति के प्रत्याशियों उतारने की योजना बना रही है। इसके अलावा मुसलमान करीब 17 फीसदी हैं। मायावती मुस्लिमों को भी पर्याप्त संख्या में प्रतिनिधित्व देने जा रही हैं। बसपा ने इस बार कुर्मी समाज से आने वाले अनिल चौधरी को प्रदेश प्रभारी बनाया है। वे चुनाव में काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। अनिल चौधरी की वजह से बसपा को कुर्मी वोट भी मिलने की संभावना है।

यूपी से सटे बिहार के जिलों में 4 फीसदी से अधिक जाटव बीएसपी के कोर वोटर रहे हैं। बीएसपी के सभी सीटों पर लड़ने से थोड़ा-बहुत नुकसान दोनों गठबंधनों को होगा, लेकिन एनडीए पर इसका असर अधिक हो सकता है, क्योंकि बसपा का वोट बैंक दलित वोटर ही हैं, जबकि एनडीए के दो सहयोगी चिराग पासवान की लोजपा और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हम पार्टी का आधार भी दलित वोटर ही हैं। पासवान वोटर जहां चिराग के साथ लामबंद हैं, वहीं मुसहर सहित महादलित जीतन राम मांझी के कोर वोटर हैं। बसपा के मजबूती से लड़ने पर पासवान और महादलित वोटरों में यदि 1 फीसदी भी सेंधमारी करती है तो सीधे तौर पर एनडीए का समीकरण गड़बड़ा सकता है, खासकर उन सीटों पर जहां लोजपा और हम की बजाय भाजपा और जदयू के प्रत्याशी चुनाव लड़ेंगे।

अशोक भाटिया,

कट्टरपंथ से डरा न्याय, तुष्टीकरण में फंसा देश

-अजय कुमार

उदयपुर फाइल्स पर दिल्ली हाईकोर्ट की रोक ने एक बार फिर भारत की न्यायिक और राजनीतिक व्यवस्था की रीढ़ पर सवाल खड़ा कर दिया है। यह फिल्म 28 जून 2022 को राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल तेली की नृशंस हत्या पर आधारित है। एक दर्जी की हत्या, जो केवल एक कथित सोशल मीडिया पोस्ट के कारण हुई, और वह पोस्ट भी उसका नहीं था उसका 8 वर्षीय बेटा गलती से उसे फॉरवर्ड कर बैठा था। इस पूरी त्रासदी को तीन साल हो गए, लेकिन इंसाफ अब तक अटका हुआ है। वहीं, उस पर बनी फिल्म को कोर्ट ने तीन दिन में रोक दिया। क्या यह विरोधाभास नहीं है ?फिल्म को सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिली थी। 150 से अधिक कट्स लगाए गए। धार्मिक स्थलों और संगठनों के नाम हटाए गए, नूपुर शर्मा का नाम हटाया गया। पूरी कोशिश की गई कि किसी समुदाय को आहत न किया जाए, फिर भी विरोध हुआ। और विरोध भी किसी आम व्यक्ति ने नहीं, बल्कि जमीयत उलेमा-ए-हिंद नाम की उस संस्था ने किया जिसकी पृष्ठभूमि खुद विवादों से भरी पड़ी है। कोर्ट ने ट्रेलर और याचिका के आधार पर फिल्म पर अंतरिम रोक लगा दी और केंद्र से रिपोर्ट मांग ली।

यही जमीयत उलेमा-ए-हिंद है, जिसने पिछले दो दशकों में 700 से अधिक आतंकवाद के आरोपियों को कानूनी मदद दी है। 7/11 मुंबई लोकल ट्रेन ब्लास्ट, 26/11 का मुंबई हमला, मालेगांव विस्फोट, वाराणसी सीरियल धमाके, दिल्ली हाईकोर्ट ब्लास्ट, अहमदाबाद बम धमाके जिन घटनाओं ने पूरे देश को दहला दिया, जिनमें सैकड़ों निर्दोष नागरिक मारे गए, उनमें भी यह संस्था आतंक के आरोपियों की तरफ खड़ी दिखी। कोर्ट में उनके पक्ष में बहस करने के लिए वकील खड़े किए गए, हर कानूनी रास्ता उन्हें राहत दिलाने के लिए अपनाया गया। उत्तर प्रदेश में अल-कायदा के दो संदिग्ध आतंकियों को भी यही जमीयत वकील उपलब्ध करवाती है। 2022 में जब अहमदाबाद धमाकों में 49 आतंकियों को दोषी ठहराया गया, तब भी उनके बचाव में जमीयत के वकील कोर्ट में मौजूद थे। यह कहकर कि सभी को न्याय मिलना चाहिए, यह संस्था वर्षों से उन चेहरों को कानूनी सुरक्षा देती रही है, जिन पर दर्जनों लाशों का खून चिपका है। और अब जब एक फिल्म उन आतंक की घटनाओं की मानसिकता को बेनकाब करने की कोशिश करती है, तो यही संस्था कोर्ट का दरवाजा खटखटाकर उस पर रोक लगाने की मांग करती है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि क्या किसी संगठन को कोर्ट जाना चाहिए या नहीं, सवाल ये है कि आखिर एक फिल्म से इतना डर क्यों? किसे डर है कि कहीं सच सामने न आ जाए? क्या ये वही सच है जिसे अदालतों में बरसों तक घसीटने की कोशिश की जाती है, लेकिन पर्दे पर आते ही असहनीय लगने लगता है? और जब ये संस्था एक फिल्म को 'सांप्रदायिक' बताकर उसे जनता तक पहुंचने से रोकने की कोशिश करती है, तो उसकी नीयत पर सवाल उठना स्वाभाविक है क्योंकि उसका अतीत सिर्फ इंसाफ की लड़ाई नहीं, कई बार सच्चाई को धुंधलाने की कोशिशों से भरा हुआ है।

कन्हैयालाल की हत्या का जो वीडियो सामने आया था, वह किसी भी सभ्य समाज की आत्मा को झकझोरने के लिए काफी था। दो युवक रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद उसकी दुकान में ग्राहक बनकर दाखिल होते हैं और धारदार हथियार से उसका गला रेत देते हैं। न सिर्फ यह कृत्य किया गया, बल्कि उसका प्रचार भी किया गया। वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया गया और घोषणा की गई कि यह हत्या ₹नबी के अपमान₹ के जवाब में की गई है। यह वही कट्टरपंथी विमर्श था जो सर तन से जुदा के नारे लगवाता है। इसके बावजूद, यह मुकदमा आज भी निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचा है।

और इसी के समानांतर, उदयपुर फाइल्स नाम की एक फिल्म जो उस कट्टर सोच की परतें उधेड़ना चाहती है, वह अदालत के आदेश पर रुक जाती है। न्यायिक व्यवस्था की यह दोगली प्राथमिकता स्पष्ट है एक ओर खून का वीडियो सार्वजनिक है, आरोपी जेल में हैं, सबूत पुख्ता हैं, लेकिन फैसला नहीं; दूसरी ओर, एक फिल्म जो केवल सवाल उठाती है, उसे तीन दिन में प्रतिबंधित कर दिया जाता है। राजनीतिक दलों की चुप्पी और भी शर्मनाक है। जो दल हर मौके पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के झंडे लेकर सड़कों पर उतरते हैं कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी खेमे उनकी तरफ से इस फिल्म पर न कोई प्रतिक्रिया, न कोई बयान आया। क्या इसलिए कि कन्हैयालाल हिंदू थे? या इसलिए कि यह मामला किसी विशेष वर्ग को ह्यअसहजह्न कर सकता है? या इसलिए कि यह मुद्दा भाजपा के नैरेटिव को बल दे सकता है? वजह चाहे जो हो, यह चुप्पी देश के राजनीतिक विमर्श की रीढ़ तोड़ देती है।

इससे पहले 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों पर भी यही तर्क दिए गए थे कि ये समाज में तनाव फैला सकती हैं। लेकिन वे फिल्में रिलीज हुईं, दर्शकों ने देखा, प्रतिक्रिया दी, बहस हुई और देश ने अपनी समझदारी से तय किया कि क्या स्वीकार्य है और क्या नहीं। लोकतंत्र का यही तो सौंदर्य है। लेकिन अगर हम हर असहज सच को सांप्रदायिक बताकर उसका मुंह बंद करना शुरू कर दें, तो यह लोकतंत्र का गला घोंटने जैसा होगा।कन्हैयालाल कोई राजनीतिज्ञ नहीं थे, न कोई आंदोलनकारी। वे एक आम नागरिक थे जो अपनी दुकान में बैठकर रोजी-रोटी कमा रहे थे। उनकी हत्या बताती है कि अब कट्टरपंथ सिर्फ सीमाओं तक नहीं, हमारे बाजारों, दुकानों और घरों तक घुस आया है। यह चेतावनी है कि अगर इस सोच को चुनौती नहीं दी गई, तो अगला निशाना कौन होगा, यह कोई नहीं जानता।

उदयपुर फाइल्स को रोकना एक फिल्म का नहीं, सच्चाई का गला घोंटना है। यह उन आवाजों को दबाने की साज़िश है जो कट्टरपंथ से सवाल करती हैं। और सबसे बड़ी बात यह है कि यह एक बहुत ही खतरनाक मिसाल बनाता है कि अगर किसी संगठन को कोई फिल्म पसंद न आए, तो वह कोर्ट जाकर उसे रुकवा सकता है, भले ही वह फिल्म कानून के हर पैमाने पर खरी उतरती हो।आज सवाल सिर्फ अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का नहीं है। सवाल यह है कि क्या भारत अब सच के सामने खड़ा हो पाने का साहस खोता जा रहा है? क्या हम सिर्फ उन कहानियों को सुनना चाहते हैं जो सुविधाजनक हों? क्या अब सच्चाई अदालतों के फैसलों की मोहताज हो गई है ?सच को कुछ वक्त के लिए रोका जा सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। 'उदयपुर फाइल्स' भले अभी रुकी हो, लेकिन जिस दिन वह फिर सामने आएगी, तब सवाल और तीखे होंगे, और जवाब देना और कठिन हो जाएगा। क्योंकि जब आप सच्चाई से भागते हैं, तो वो और तेजी से आपका पीछा करती है।

स्त्रियों, बच्चों का शोषण शर्मनाक

संजीव ठाकुर

गुरुग्राम में पिता ने अपने दर्प, घमंड के कारण अपनी जवान पुत्री गोली मारकर हत्या कर दी। पूरे देश में स्त्रियों बच्चियों पर अत्याचार व शोषण की अनेक घटनाएं लगभग रोज सामने आ रही है समाज का ताकतवर पुरुष वर्ग संवेदनहीन हो चुका है और चेतना स्खलित हो चुकी है। विगत वर्ष मणिपुर की महिलाओं पर शर्मनाक और अमानवीय पुरुष समाज की हरकतों से पूरा समाज और पूरा देश लज्जित हुआ है। छोटी बच्चियों से लेकर बड़ी बूढ़ी महिलाओं तक शारीरिक, सामाजिक शोषण देश के लिए एक काला अध्याय है' हम अपने पशुओं के व्यवहार के कारण लज्जित तो हुए ही पर उसके पश्चात कोई पछतावा दिखाई नहीं देता है। देश के कोने कोने से महिलाओं को अपमानित करने की घटनाएं रोज हो रही हैं क्या हमारे नैतिक मूल्य और आस्थाये अब पूर्ण रूप से स्खलित हो चुकी है नैतिक मूल्यों का क्षरण अचानक तेज होता जा रहा है' धन तथा पद की लोलुपता ने सारी हदें पार कर दी हैं' भारतीय समाज पुरुष प्रधान होने का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि स्त्री ही हर ज्यादति और अत्याचार की शिकार होती रहे।

प्राचीन काल से अब तक स्त्री ही पुरुष तथा समाज के दमन का केंद्र रही है' शिक्षा तथा आर्थिक स्थिति के विकास के बाद भी स्त्रियों की दयनीय स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन नहीं आया है देश की आबादी की 45% आबादी महिलाओं की है पर अभी तक स्त्रियों की स्थिति में बहुत ज्यादा परिवर्तन परिलक्षित नहीं हुआ है,यह एक चिंतनीय सामाजिक समस्या हमारे सामने ज्वलंत खड़ी है'

भारतीय समाज की विशेषता है कि यह क्रमिक रूप से बाहरी मूल्यों को अपनाते हुए आगे बढ़ रहा है जिसके फलस्वरूप आज समाज विभिन्न संस्कृतियों, सभ्यताओं तथा मूल्यों का अद्भुत समूह बन गया, यूं कहें कि अलग-अलग सभ्यताओं के पुष्पों का एक रंग बिरंगा गुलदस्ता ही बन गया है' वही सभ्यताओं के आत्मसात करने के परिणाम स्वरूप पाश्चात्य सभ्यता से हिंदुस्तानी समाज में बड़ी विसंगतियां जन्म लेने लगी है। सभ्यताएं तो आई लेकिन अपनी बुराइयों को भी लेकर आई हैं। इससे भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अवमूल्यन ही हुआ है। और इसके अलावा पाश्चात्य सभ्यता ने खुलेपन आमंत्रित कर युवाओं तथा पुरुषों के मन में वासनात्मक कुंठा को जन्म दिया है। जिसके कारण महिलाओं पर यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही है। आज भारतीय समाज निश्चित तौर पर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है और यही वजह है कि पाश्चात्य सांस्कृतिक प्रवृतियों मानसिक भावनाओं को संक्रमित कर कुंठा को जन्म दिया है। यही कारण है कि मानसिक संक्रमण से भारतीय समाज पाश्चात्य सभ्यता का अंधा अनुसरण कर रहा है जिसके कारण मानवीय मूल्यों में नैतिक स्खलन स्पष्ट दिखाई देने लगा और इस नैतिक गिरावट से हिंसा में काफी वृद्धि हुई है। पाश्चात्य सभ्यता के दुष्प्रभाव में सबसे गहरा दुष्प्रभाव यौन हिंसा के प्रचार प्रसार का है। पुरुष समाज की मानसिकता है की पुरुष होने के कारण उन्हें कुछ चीजों का हक नैसर्गिक रूप से प्राप्त है जैसे कि अच्छी पत्नी और संतान में बेटों की प्राप्ति, कोई भी पुरुष अपनी आने वाली पीढ़ी में पुत्री नहीं चाहता है जबकि पुत्र पुत्री एक समान ही होते हैं बल्कि जो मायूस होकर पुत्री जन्म का दुख मनाते हैं उन्हें वर्तमान में पीएससी और यूपीएससी की रिजल्ट लिस्ट देखनी चाहिए इसमें बालिकाओं ने बहुत अच्छे अंको से परीक्षा पास कर समाज में उनकी अहम भूमिका को सार्थक किया है। वर्तमान समाज में परंपरागत रूप से पुरुषों को ऐसा करते देख उसकी आने वाली पीढ़ी भी अपने महिला संगिनी से दुर्व्यवहार और हिंसा करने से नहीं चूकता है। पुरुष की कुंठा इस कदर बढ़ चुकी है कि वह किसी सुंदर स्त्री को देखकर यह चाहने लगता है कि वह स्त्री उसकी अंक शायनी हो जाए और यदि स्त्री उसके विमुख होती है तो वह उस पर बलात नियंत्रण करने की कोशिश में यौन अपराध की ओर उन्मुख हो जाता है। अपरिपक्व उम्र से ही किशोरावस्था के युवक सेक्सुअल हिंसा के प्रति उन्मुख होने लगे हैं हमें इसकी असली वजह तथा कारण को समझना होगा मोबाइल का इंटरनेट कंप्यूटर लैपटॉप ने इस विकृत संस्कृति को एक खुला आकाश दे दिया है समाज में बढ़ती योन अपराधिक हिंसा के मुख्य कारणों में से एक इंटरनेट मोबाइल और लैपटॉप का घर घर उपलब्ध होना ही है।

मानसिक रूप से अपरिपक्व को बच्चों के पास मोबाइल तथा लैपटॉप तथा इंटरनेट आ चुका है और उससे वह वह वासनात्मक कहानियां, चित्र और फिल्में देखकर युवतियों तथा छोटी-छोटी बच्चियों पर यौन अपराध करने से नहीं चूकते और यही वजह है कि भारतीय संस्कृति विकृत होकर युवकों द्वारा बड़ी संख्या में यौन अपराध किए जा रहे हैं। जिसके कारण महिलाओं की भावना तथा आत्म सम्मान में गिरावट आकर आत्महत्या तक के परिणाम सामने आने लगे हैं। आंकड़ों में यदि जाएं तो 2020 में लगभग 40,000 बलात्कार के मामले हिंदुस्तान में सामने आए हैं जिनमें 18 साल से कम आयु की लड़कियों की संख्या 16800 की और सबसे खतरनाक तथा विवाद,वीभस्त आंकड़ा जो है वह 6 साल से कम उम्र की लड़कियों के साथ बलात्कार की घटना के लगभग 600 मामले सामने आए हैं। यौन हिंसा के अलावा बच्चियों, युवतियों तथा महिलाओं द्वारा युवाओं द्वारा दिए गए प्रणय निवेदन तो ठुकरा दिए जाने के बाद तेजाब फेंकने की घटनाएं तीव्रता से बड़ी हैं 2010 से लेकर 2020 तक महिलाओं पर तेजाब फेंकने की 1208 घटनाएं विभिन्न जगहों में संबंधित थानों में पंजीकृत हुई है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रशासन को एसिड की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश भी दिए गए, पर आज भी पूरे देश में तेजाब की बिक्री खुलेआम हो रही है। तेजाब पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इसके अलावा इंटरनेट मोबाइल पर भी प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है इस पर भी एक उम्र की सीमा से ऊपर के लोगों को इस्तेमाल करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत में महिलाओं और लड़कियों की सुरक्षा के प्रति लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक किया जा कर एक अभियान चलाकर इसे योजनाबद्ध तरीके से कानून की मदद से हिंदुस्तान भर में विस्तारित किया जाना चाहिए। इसी तरह कन्या भ्रूण हत्या को भी समूल नष्ट करने का अभियान चलाकर एक प्रभावी योजना तैयार की जानी चाहिए। भारतीय संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ शासकीय योजनाओं को भी यौन हिंसा प्रताड़ना के खिलाफ आमजन को शिक्षित और जागरूक कर पाश्चात्य सभ्यता को ना अपनाने हेतु प्रेरित करना चाहिए।

क्रॉम्पटन ने लॉन्च किया एमियो फ्रेश न्यूट्री ब्लेंडर

पटना : क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने अपने नए एमियो फ्रेश न्यूट्री ब्लेंडर को लॉन्च किया है। 'हेल्दी चॉइसेज मेड ईजी' की सोच के साथ लाया गया यह ब्लेंडर खासतौर पर व्यस्त जीवनशैली वाले लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, जो बिना समझौता किए सेहतमंद विकल्प चाहते हैं। 400 वॉट की ताकत, मैक्स ब्लेंड टेक्नोलॉजी, बीपीए-फ्री जार, इंटेलिजेंट लॉकिंग सिस्टम और लीक-प्रूफ डिजाइन जैसे फीचर्स इसे बेहद यूजर-फ्रेंडली बनाते हैं। यह स्मूदी, शेक, डिप्स और बेबी फूड को मिनटों में तैयार करने में सक्षम है। क्रॉम्पटन के स्मॉल डोमेस्टिक अप्लायंसेज प्रमुख केतन चौधरी ने कहा, ₹यह सिर्फ.एक ब्लेंडर नहीं, बल्कि हर रसोई के लिए स्मार्ट हेल्थ सॉल्यूशन है।₹ एमियो फ्रेश न्यूट्री ब्लेंडर की कीमत रुपए 5,299 है और यह सभी प्रमुख ई-कॉमर्स साइट्स पर उपलब्ध है।

जौनपुर में याचिकाकर्ता को धमकाना थाना प्रभारी सहित सब इंस्पेक्टर और दो आरक्षी को पड़ा भारी

निलंबन के बाद नए प्रभारी की तैनाती

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बिना राजस्व कर्मियों के पुलिस की जमीनी मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा भारी, हुए संबन्धित समस्त पुलिस निलंबित, उच्च न्यायालय में योजित जनहित याचिका (पीआईएल) सं0-1118/2025 गौरीशंकर सरोज बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य सम्बन्धित थाना मुंगराबादशाहपुर जनपद जौनपुर के प्रकरण में याचिकाकर्ता द्वारा लगाये गये आरोपो के क्रम में प्रथम दृष्टया बिना सक्षम अधिकारी/न्यायालय के आदेश के थाना मुगराबादशाहपुर के आरक्षी पंकज मौर्या व नितेश कुमार गौंड द्वारा क्षेत्रिय लेखपाल के साथ याचिकाकर्ता के घर जाकर उसके पौत्र को धमकी दिये जाने व अन्य आरोपो के सम्बन्ध में थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर पर मु0अ0सं0-175/2025 धारा 61(1), 352,351(2) बीएनएस व 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 व 3(2)(वीए) एससी/एसटी एक्ट बनाम 1.आरक्षी पंकज मौर्या 2.आरक्षी नितेश कुमार गौड़ 3.हल्का लेखपाल विजय शंकर एवं 4.शिवगोविन्द पुत्र जोखन बिन्द निवासी बड़ागाव थाना मुंगराबादशाहपुर जौनपुर पंजीकृत कर प्रकरण के सम्बन्ध में आरक्षी पंकज मौर्या व आरक्षी नितेश कुमार गौड़ को अपने पदीय कर्तव्यो में बरती गयीअनियमितता एवं हल्का उपनिरीक्षक इन्द्रदेव सिंह तथा थाना प्रभारी द्वारा भी प्रकरण मे बरती गयी लापरवाही के कारण तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। सम्पूर्ण प्रकरण के सम्बन्ध विभागीय कार्यवाही प्रचलित है।

ज़िन्दगी का कोई भरोसा नहीं, जाने अनजाने में जो भी गलती हुई उसके लिए अपनी कौम से माफी माँगता हूँ: अल हाज हाफिज रियाज अहमद खान

डॉ.इम्तियाज अहमद/आफताब आलम

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलाँ में शुक्रवार को बड़ी जमा मस्जिद में जुमे की नमाज हाफिज मौलवी मोहम्मद अशहद कासमी ने अदा कराई।

बगल में बैठे अल हाज हाफि ज रियाज अहमद खान इमामे जामा बड़ी मस्जिद ने जुमे की नमाज के बाद अपनी कौम को खिताब (संबोधित) किया उन्होंने कहा कि मैं तीन बार काफी बीमार हो चुका हूँ खुदा की तरफ से कब बुलावा आ जाए, कब बुलावे की कॉल बेल बज जाए, किसी को कुछ पता नहीं है। हाफि ज रियाज अहमद अपने(नाना)यानि कि मानीकलाँ बड़ी जामा मस्जिद के तीसरे इमाम मौलाना अमीनुद्दीन के दौर से मस्जिद के तामीरी काम, मदरसे के काम को लगभग 40 साल से अंजाम दे रहे है वर्ष 2001 से मस्जिद की इमामत व ईद-उल-फि तर, ईद -उल-अजहा के साथ साथ, निकाह, जनाजा के फरायेद बखूबी निभा रहे है।

बहुत ही भावुक होकर व कस्बा वासियो से उन्होंने कहा कि जो भी काम करने में मुझसे गलती हुई है और जो भी मुझसे कोताही हुई है। उसके लिए मैं माफी चाहता हूँ, और जो भी मेरे अख्तियार में है, मैंने उसे माफ किया, और जो आपके अख्तियार में है वह आप उसे माफ कर दे। जाने अनजाने में मेरी तरफ से मस्जिद, मदरसे या किसी और बातो को लेकर मैंने किसी को अगर कुछ कहा सुना होगा तो उसके लिए मैं सभी से माफी मांगना चाहता हूँ। इसलिए की दुनिया की बात दुनिया में रह जाए तो बहुत ही बेहतर होता है। खुदा बहुत बड़ा है वही सबको माफ करने वाला है। इसलिए की अब ज़िन्दगी का कोई भरोसा नहीं है।

तीन बार आप लोगो की दुआ से और खुद के रहमोकरम से सेहतआब होकर आया हूँ। जिस तरह से मैं सारे कामो को अंजाम देता था उसी तरह से अब मेरे तीनों बेटे सारे काम को अंजाम दे रहे है। ईद-उल-फि तर, ईद उल अजहा, जुमा, पाँचो वक्त की नमाज, निकाह और जनाजा, मस्जिद मदरसे के तामीरी कामो को बखूबी अंजाम दे रहे। आगे भी इंशाल्लाह देते रहेगे, साथ साथ ही हिफ़्ज व एक से पाँच तक हिन्दी, उर्दू, अरबी, अंग्रेजी आदि के तालीमी कामो को बखूबी आगे बढ़ा रहे है।

आखिर में उन्होंने याद दिलाया कि हाफि ज रियाज अहमद खान का,किसी का कोई भी मेरे ऊपर किसी तरह का कोई भी कर्ज.हो और मुझे याद नहीं हो आप बराए मेहरबानी बे-हिचक मुझसे बता दे, इस लिए दुनिया का लेन देन दुनिया में होना ही बेहतर है।

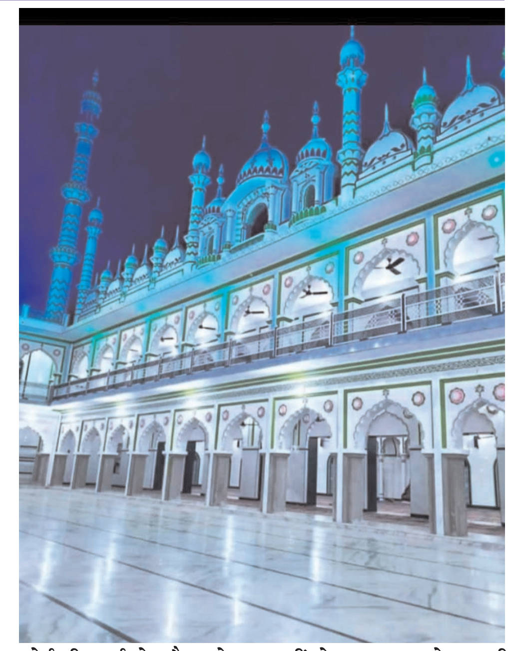

वाराणसी में प्रशासन सख्त, नाबालिग वाहन चलाते मिले तो अभिभावकों पर होगा मुकदमा

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति) । जनपद में अब नाबालिगों द्वारा वाहन चलाते पाए जाने पर सीधे उनके अभिभावकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। यह निर्णय बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को देखते हुए लिया गया है। स्कूल खुलने के साथ ही सड़कों पर नाबालिगों को दोपहिया वाहन चलाते देखा जा रहा है, जिससे न केवल उनकी बल्कि अन्य राहगीरों की जान भी खतरे में पड़ रही है।पिछले वर्ष यातायात पुलिस ने इस विषय पर अभियान चलाया था। जिसमें नाबालिग वाहन चालकों के परिजनों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही गई थी। हालांकि अभियान के बाद कोई ठोस और निरंतर कदम नहीं उठाए गए, जिससे समस्या फिर बढ़ती दिख रही है। मोटर वाहन अधिनियम के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों को केवल बिना गियर वाले दोपहिया वाहन चलाने की अनुमति है, वह भी तब जब उनके पास वैध लाइसेंस हो। लेकिन अधिकतर मामलों में नाबालिगों के पास लाइसेंस नहीं होता और वे न तो हेलमेट पहनते हैं। न ही ट्रैफिक नियमों का पालन करते हैं। जनवरी से जून 2025 के बीच वाराणसी में सड़क हादसों में 105 लोगों की जान जा चुकी है। इनमें सबसे अधिक मौतें हेलमेट न पहनने वाले बाइक सवारों की हुई हैं। चालान भी अधिकतर इसी कारण काटे गए हैं।

कई स्कूल प्रशासन ऐसे नाबालिग छात्रों को वाहन सहित प्रवेश दे देते हैं, जो नियमों की अवहेलना है। प्रशासन अब ऐसे मामलों में स्कूल प्रबंधन की भूमिका की भी जांच करेगा। पुलिस का उद्देश्य केवल दंड देना नहीं, बल्कि बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

देवर ने भाभी का फोटो सोशल मीडिया पर किया वायरल, पीड़िता ने पुलिस को दिया लिखित तहरीर

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मन की खुन्नस निकालने के लिए कुछ लोग किसी भी हद तक गुजर जाते है और रिश्ते की मर्यादा को तार तार कर देते हैं।बताया जाता है की आजमगढ़ जनपद के दीदारगंज थाना क्षेत्र के एक गॉव निवासी युवती का विवाह कुछ वर्ष पूर्व कोतवाली क्षेत्र के समधीपुर में हुआ था।आरोप है समय बीतने के साथ विवाहिता का रिश्ते में लगने वाला देवर विवाहिता का आपत्तिजनक फोटो और गालियां लिख सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जिसकी शिकायत शनिवार को पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर देते हुए अपने देवर के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा की तैयारियां पूरी, विवरणिका का हुआ लोकार्पण

15 जुलाई को 8 केन्द्रों पर होगी पीएचडी प्रवेश परीक्षा, 4 हजार से अधिक अभ्यर्थी होंगे शामिल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शनिवार को

पीएचडी प्रवेश परीक्षा से जुड़े समस्त अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने 15 जुलाई को सम्पन्न होने वाली परीक्षा को शुचिता पूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों से व्यापक विचार विमर्श किया। बैठक में पीएचडी प्रवेश परीक्षा की सूचना विवरणिका का लोकार्पण कुलपति प्रो.वंदना सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि प्रवेश परीक्षा में भाग लेने वाले प्रवेशार्थी समय से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे। उन्होंने प्रवेश परीक्षा के निष्पक्ष और व्यवस्थित आयोजन के लिए निर्देश दिए। कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षार्थियों को परीक्षा कक्ष में बैग, इलेक्ट्रॉनिक घड़ी, मोबाइल, कोई भी अन्य डिजिटल उपकरण,पानी की बोतल आदि ले जाना प्रतिबंधित है। कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा हाल में प्रवेश पत्र, पहचान पत्र एवं पेन के अतिरिक्त कोई अन्य सामग्री न ले जाए। इस सम्बन्ध में अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र पर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो.गिरिधर मिश्र ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु यह सूचना विवरणिका विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अद्यतन सूचनाओं सहित अपलोड है। अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र पर परीक्षा प्रारंभ होने के 90 मिनट पूर्व प्रवेश मिलेगा तथा वह परीक्षा कक्षा में अपना स्थान परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पूर्व तक ग्रहण कर सकेगा। यदि अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र में किसी भी सत्र में परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट बाद पहुंचता है तो उसे परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।कोई भी परीक्षार्थी परीक्षा के उपरांत ही कक्ष छोड़ेगा।परीक्षा कक्ष में कक्ष निरीक्षक को भी मोबाइल एवं कोई भी डिजिटल उपकरण ले आना प्रतिबंधित है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के 08 परीक्षा केन्द्रों पर प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक तथा 2.00 से 4.00 बजे के मध्य दो पालियों में सम्पन्न होगी। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सर्पदंश से महिला की मृत्यु

मडियाहू,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मडियाहू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बुजुर्ग। में सांप काटने से एक महिला की मृत्यु हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शबाना पत्नी चंदू नाम की 24 वर्षी महिला अपने घर में सो रही थी की रात में सर्प उसके चारपाई पर चढ़कर के उसको काट लिया परिजनों को जानकारी होने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मडियाहू ले आए जहां पर चिकित्सकों ने उसको इलाज किया और वह ठीक होकर अपने घर गई। फिर उसके परिजन उसे अटाला मस्जिद जौनपुर दवा पिलाने के लिए ले गए वहां से भी ठीक होकर वह अपने घर आयीऔर निश्चित रही अचानक सुबह 9:10 बजे उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और वह मर गई परिजनों थाने पर ले आए जहां पर उसको पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सैकड़ों की संख्या में विंध्याचल के लिए रवाना हुए कांवरिया

मडियाहू,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी सावन के पहले सोमवार को जल चढ़ाने के लिए शनिवार को कांवरियों का एक जत्था विंध्याचल के लिए रवाना हुआ प्राचीन कावरिया संघ द्वारा स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज प्रांगण से सैकड़ो कांवरिया डीजे के साथ विंध्याचल के लिए रवाना हुए। प्राचीन कांवरिया संरक्षक कवलजीत सिंह गब्बर ने बताया कि कांवरिया शनिवार को विंध्याचल जाएंगे तथा जल भरकर सोमवार को अपने-अपने प्राचीन मंदिरों जलाभिषेक करेंगे। व्यवस्था में प्राचीन कांवरिया संघ अध्यक्ष रवि मौर्य, राकेश कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार साहू परमजीत सिंह, राजेंद्र कुमार सोनकर, राजेंद्र गौतम, मनोज सोनकर आदि लोगलगे रहे। प्रभारी निरीक्षक मडियाहू तेज बहादुर सिंह अपने सहयोगियों के साथ लेकर कांवरियों की व्यवस्था देखते रहे।

वृक्ष धरा के भूषण, करते दूर प्रदूषण

एक वृक्ष माँ के नाम के आधार पर स्कूल के बच्चों द्वारा रोपित किए गए सैकड़ों पौधे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। श्रावण मास के पहले दिन पार्थ ग्लोबल एकेडमी सहकारी कालोनी पूर्वी

रुहट्टा जौनपुर शहर के सभी छात्र छात्राओं एवं अध्यापिकाओं ने स्कूल कैम्पस में कुल 100 से अधिक छायादार वृक्षों का रोपण किया। सभी बच्चों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ० गोरखनाथ पटेल के निर्देशन में, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन एक वृक्ष माँ के नाम पर बढ़-चढ़ कर वृक्षारोपण किया।तथा शपथ ली, कि जब तक इस विद्यालय में रहूँगा, इसकी समय-समय पर सेवा और संरक्षण करता रहूँगा। जब कभी कैंपस में मेरा आना होगा। मैं अपने द्वारा लगाये गये पौधों को देखकर अत्यंत खुशी महसूस करूंगा। अन्त में अफ़्शा, अशियम आदि सहित स्कूल के समस्त बच्चों और छात्र छात्राओं को अध्यापिकाओं प्रतिभा सिंह, रश्मि सिंह, निहारिका शर्मा,साक्षी सोनी, श्वेता सिंह, सोनम मिश्रा,स्वाती श्रीवास्तवा एवं पार्वती मौर्या द्वारा वृक्षारोपण के महत्व को बताया गया कि किस प्रकार वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध बनाते हैं, एवं हमें जीवन भी देते हैं, इसी लिए धर्म में कहा गया है कि

एक वृक्ष दस पुत्र समान है। जलवायु को शुद्ध रखने का एक ही माध्यम सबसे सरल है।वह है वृक्षारोपण। अन्त में विद्यालय की प्रधानाचार्या शिप्रा सिंह ने सभी बच्चों एवं अध्यापिकाओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या एवं सभी शिक्षिकाओं के साथ साथ प्रबन्धक डॉ० सत्येन्द्र प्रताप सिंह एवं डॉ० सरोज सिंह तथा अन्य शिक्षणेत्तर कर्मचारी पवन अग्रहरि, राजमन राव, प्रशान्त, करन कुमार, राधिका आदि लोग भी उपस्थित रहे।

पुलिस के काफी समझाने पर 16 घंटे बाद शव अंत्येष्टि के लिए रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिकरारा थाना क्षेत्र के सकलदेलहा गांव के पास सिकरारा बरईपार मार्ग पर सिकरारा थाना क्षेत्र के हरीगांव निवासी 40 वर्षीय सरोज पाठक की 10 जुलाई रात्रि लगभग 8:00 बजे के करीब गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और हत्यारे मौके से फरार हो गए थे मौके पर पहुंचे राहगीरों ने उनकी पहचान करते हुए परिजनों को सूचना दी और पुलिस को भी सूचना दी घटना तेजी बाजार थाना क्षेत्र में होने के कारण मौके पर पहुंची तेजी बाजार पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया था उक्त हत्या के मामले में पीड़ित के परिजनों द्वारा अपने ही पड़ोस के कुछ अज्ञात व तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ प्रार्थना पत्र तेजी बाजार थाने में दिया तेजी बाजार पुलिस ने तीन नामजद व कुछ अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कर लिया था इसके बाद सिकरारा थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह और तेजी बाजार थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश सिंह तत्काल सक्रियता दिखाते हुए 2 घंटे के अंदर ही तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था और घटना के दूसरे दिन उक्त तीनों आरोपियों का चलान न्यायालय में प्रेषित कर दिया था उक्त आरोपियों के बारे में पूछने पर पीड़ित के परिजनों ने बताया कि 6 डिसमिल जमीन के लिए पड़ोस के आदित्य पाठक, घनश्याम पाठक, नागेंद्र पाठक, से विवाद चल रहा था जिसका मुकदमा भी न्यायालय में चल रहा है इसी बात को लेकर सन 2022 में मारपीट हुई थी जिसमें उनके परिवार के हीरालाल पाठक की मौत हो गई थी जिस मामले में दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज हुआ था जिसमें सरोज पाठक को जेल हो गई थी 8 महीने बाद जब वह जेल से छूटकर आए तभी से उक्त लोगों द्वारा जान से मारने की धमकी दी जा रही थी जिस संबंध में भीलमपुर पुलिस चौकी पर आठ बार प्रार्थना पत्र दिया गया था लेकिन किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई थी सिर्फ आश्वासन ही दिया जा रहा था आखिर 10 जुलाई रात्रि 8:00 बजे के लगभग उक्त लोगों ने सुरेश पाठक को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया फिर हाल इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था 11 जुलाई रात्रि लगभग 10:00 बजे जब पीएम हाउस से शव घर पहुंचा तो परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे और शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया पूछने पर परिजनों ने कहा कि जो अज्ञात आरोपी हैं उनकी भी गिरफ्तारी तत्काल की जाए इसके बाद ही शव का अंतिम संस्कार किया जाएगा इस संबंध में थाना अध्यक्ष सिकरारा उदय प्रताप सिंह द्वारा परिजनों से बातचीत की गई और काफी समझाया गया और अज्ञात आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तारी करने का आश्वासन भी दिया गया तब जाकर परिजन 14 घंटे बाद यानी 12 जुलाई को शव का अंतिम संस्कार करने के लिए तैयार हुए लेकिन इसके पहले परिजनों द्वारा शव को विपक्षियों के घर रखने का प्रयास किया गया लेकिन पुलिस की सक्रियता से असफल रहे इसके बाद पुलिस सुरक्षा के बीच मृतक सरोज पाठक का अंतिम संस्कार रामघाट पर कर दिया गया और गांव में सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

संस्कार भारती जौनपुर द्वारा नटराज पूजन उत्सव का कार्यक्रम हुआ संपन्न

अभिताश गुप्ता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती जौनपुर द्वारा नटराज पूजन उत्सव का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कला एवं साहित्य के लिए समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती द्वारा गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर नवदुर्गा शिव मंदिर विसर्जन घाट के प्रांगण पर नटराज पूजन उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के संगीत विद्या प्रमुख नरेंद्र पाठक जी द्वारा दीप प्राजूलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया काशी प्रांत के कार्यकारिणी सदस्य ऋषि श्रीवास्तव जी द्वारा पुष्पा अर्चन किया गया। नरेंद्र पाठक द्वारा गुरु पूर्णिमा की महत्ता एवं नटराज पूजन के महत्व को बताया। उन्होंने बताया कि गुरु शिष्य परंपरा भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है जो कि आज तक चला आ रहा है। यह हमारी संस्कृति है कि हम गुरु शिष्य परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं।संस्कार भारती लोक कला एवं अन्य विधाओं में जो कि भारतीय संस्कृति के महत्वपूर्ण अंग है। उनके लिए कार्य करती है इसलिए संस्कार भारती का यह कार्य बहुत ही प्रशंसनिक एवं सराहनीय है कार्यक्रम में संस्कार भारती जौनपुर के साहित्य विधा प्रमुख आलोक रंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए गुरु पूर्णिमा की महत्ता पर प्रकाश डाला कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष राजकमल, सह मंत्री बालकृष्ण, नाट्य विधा प्रमुख अवधेश श्रीवास्तव, डॉक्टर सूरज जायसवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन एवं आभार महामंत्री अमित अंशु ने किया।

हाइवे किनारे खाई में गिरे बाइक सवार, अज्ञात बदमाश फरार

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मरगूपुर में स्थित फोरलेन पर शुक्रवार की बीती रात्रि करीब नौ बजे पुलिस गश्त कर रही थी।जिसके दौरान वाराणसी लखनऊ हाईवे पर सुल्तानपुर रोड की तरफ से तेज रफ्तार से जा रहे बाइक सवार संदिग्ध अज्ञात बदमाशों के द्वारा पुलिस के वाहन की आवाज सुनकर वे अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे खाई में जा गिरे और आनन फानन में वही बाइक छोड़ अंधेरे का फायदा उठाकर बदमाश भाग निकले।जिसके उपरांत लोगों की सूचना से मौके पर पहुंची डायल 112 पुलिस तथा कोतवाली पुलिस के द्वारा राहगीरों की मदद से बाइक को खाई से बाहर निकलवाते हुए गाड़ी नंबर की ऑनलाइन जांच किया तो गाड़ी नंबर फर्जी निकला। फिलहाल पुलिस बाइक को कब्जे में लेते हुए जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

पास लेने के चक्कर बस गड्ढे में पलटी, सभी यात्री सुरक्षित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। महराजगंज शनिवार की सुबह थाना महराजगंज क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया जब एक यात्री बस और डंपर के बीच क्रॉसिंग के दौरान बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे कच्चे रास्ते पर चली गई और गड्ढे में पलट गई। गनीमत रही कि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य में जुट गई। पुलिस की तत्परता से बस में फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया, हालांकि सभी की हालत सामान्य बताई जा रही है। इस संबंध में क्षेत्राधिकारी बदलापुर विवेक कुमार सिंह ने बताया कि,₹आज एक यात्री बस और डंपर के बीच पासिंग के दौरान बस चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बस सड़क छोड़कर कच्चे रास्ते में चली गई और गड्ढे में पलट गई। सौभाग्य से बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं और कोई गंभीर चोट नहीं आई है। मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों की मानें तो इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण अक्सर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग को चौड़ा करने और संकेतक लगाने की मांग की है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सके।

वाराणसी जिला जेल में बंदी ने चम्मच से काटी अपनी गर्दन, मंडलीय अस्पताल में भर्ती

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के जिला कारागार में बंद एक बंदी ने शुक्रवार को आत्महत्या का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार 24 वर्षीय सुखन डोम ने चम्मच को धारदार बनाकर अपनी गर्दन पर वार कर लिया। गंभीर रूप से घायल हालत में उसे तत्काल शिवप्रसाद गुप्त मंडलीय चिकित्सालय भेजा गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।सूत्रों के मुताबिक, सुखन डोम को करीब दो सप्ताह पहले ही किसी आपराधिक मामले में जेल में दाखिल किया गया था। जेल प्रशासन ने घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बंदी ने आत्महत्या का प्रयास किन कारणों से किया।

गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए ठोस कदम उठाए सरकार: डॉ. द्रिगेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश में तेजी से बढ़ रहे प्रदूषण ने जीवनदायनी नदियों को नहीं छोड़ा है। आज देश की सभी बड़ी नदियां जल प्रदूषण के चलते निरंतर दूषित हो रही हैं। आदि गंगा के नाम से पहचान रखने वाली गंगा की सहायक गोमती नदी, जल प्रदूषण के चलते लगातार दूषित हो रही है। पूर्वांचल विकास परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार से अपील की है कि गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में ठोस और प्रभावी कदम उठाए। उन्होंने कहा कि आज से 30 साल पहले तक गोमती नदी का पानी बिल्कुल स्वच्छ और निर्मल था। नदी के किनारे रहने वाले लोग पेयजल तक के रूप में इसके पानी का उपयोग करते थे। उन्होंने कहा कि आज घर-घर शौचालय बन जाने के चलते नदी के किनारे सर्वत्र स्वच्छता तो दिखाई दे रही है, परंतु जल की गुणवत्ता इतनी खराब है कि लोग स्नान करने से भी परहेज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोमती नदी, जौनपुर की विशिष्ट पहचान है। नदिया के पार जैसी लोकप्रिय भोजपुरी फिल्म की पूरी शूटिंग जौनपुर के केराकत में गोमती नदी तथा उसके किनारे बसे गांवों में हुई थी। डॉ द्रिगेश यादव ने कहा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से होकर बहने वाली गोमती नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने की दिशा में सरकार के साथ-साथ लोगों की सहभागिता आवश्यक है। एक बार फिर हम सबको गोमती नदी की पहचान को वापस लाना है।

चांदिवली के जरीमरी में पानी की घोर किल्लत

मुंबई। बरसात के इस मौसम में भी कुर्ला एल वार्ड के अंतर्गत आने वाली जरीमरी झोपड़पट्टी में पानी की घोर व्याप्त है। जिसके कारण यहां के लोगों को पानी के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। बताया जाता है कि जरीमरी के आजाद चाल, मार्टिन परेरा चाल, विजय नगर और आसपास की बस्तियों में पानी की किल्लत होने से यहां के नागरिकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। अनेक नागरिकों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि पुरानी जलवाहिनी काफी नीचे चली गई है। पुराने कनेक्शन में पानी आ रहा है किंतु एक दम गंदा। जिसके कारण गंदे पानी से बीमारी फैलने की संभावना बनी हुई है।यहां के पूर्व नगरसेवक और शिवसेना नेता डॉ एस अन्नामलाई ने बताया कि पिछले कई दिनों से यहां के लोगों को पानी संकट का सामना करना पड़ रहा है। कामधंधे और स्कूल,कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पानी की नई जलवाहिनी बिठाने के बाद भी पानी की समस्या बरकरार है। यदि जल्द ही जरीमरी झोपड़पट्टी में पानी की समस्या न सुलझी तो मनपा एल वार्ड पर हंडा मोर्चा निकाले जाने की धमकी डॉ अन्नामलाई ने दी है।

टाटा मोटर्स ने Curvv.ev और Nexon.ev के लिए लाइफटाइम बैटरी वारंटी पेश की

मुंबई। भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में आ रही बाधाओं को दूर करने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत, भारत की इवी क्रांति का नेतृत्व कर रहे और देश के प्रमुख एसयूवी निमार्ता टाटा मोटर्स ने आज अपने दो लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल Curvv.ev और Nexon.ev 45 kWh के लिए लाइफटाइम एचवी बैटरी वारंटी की घोषणा की है। हाल ही में लॉन्च हैरियर.इवी के साथ लाइफटाइम एचवी बैटरी वारंटी दी गई थी, जो उपभोक्ताओं को खूब पसंद आ रही है और वे इसे सराह रहे हैं। इस सकारात्मक प्रतिक्रिया से प्रेरित होकर कंपनी ने अब इस सुविधा को अपनी दो सबसे लोकप्रिय एसयूवी के सभी मौजूदा और फर्स्ट-टाइम कस्टमर्स के लिए भी लागू कर दिया है। टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के चीफ कमर्शियल ऑफिसर, श्री विवेक श्रीवत्स ने कहा, हमने प्रीमियम इवी तकनीक को लोकतांत्रिक बनाकर भारत में इवी श्रेणी के तेज विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस विकास का एक प्रमुख कारण ग्राहकों को बिना चिंता के मालिकाना अनुभव देने में हमारा भरोसा है। आज, हम इसी विश्वास को और मजबूती देते हुए Curvv.ev और Nexon.ev 45 kWh के सभी ग्राहकों के लिए लाइफटाइम एचवी बैटरी वारंटी समाधान प्रस्तुत कर रहे हैं। यह अभूतपूर्व आश्वासन हमें टाटा.इवी ग्राहकों को एक बेफिक्र और भविष्य-उन्मुख मालिकाना अनुभव की दिशा में सक्षम बनाता है। यह वारंटी उन सबसे बड़ी बाधाओं में से एक को दूर करती है, जो इलेक्ट्रिक वाहन को अपनाने में सामने आते हैं – यानी बैटरी की लंबी अवधि में स्थिति और बदलने की लागत को लेकर अनिश्चितता। यह वारंटी भारत में किसी भी इवी को खरीदने पर मिलने वाले सबसे व्यापक आश्वासनों में से एक है।

ठाणे जिले में 14 वर्षीय किशोरी से सहपाठी ने दुष्कर्म किया

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी कस्बे में 14 वर्षीय एक किशोरी से कथित तौर पर उसके सहपाठी ने दुष्कर्म किया जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस संबंध में एक अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने बृहस्पतिवार को 14 साल के किशोर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बताया कि किशोरी और आरोपी दोनों एक ही इलाके में रहते हैं तथा एक ही स्कूल में पढ़ते हैं। शिकायत के अनुसार, यह घटना मई में हुई थी। शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर किशोरी को अपने घर बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया तथा बाद में पता चला कि वह गर्भवती है। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच जारी है और अभी तक किसी को हिरासत में नहीं लिया गया है।

शरद पवार की पार्टी में होगा बड़ा फेरबदल, इन्हें मिल सकती है प्रदेश अध्यक्ष की कमान

मुंबई। महाराष्ट्र के आगामी नगर निगम चुनावों से पहले एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के शरद पवार गुट के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल अपने पद से इस्तीफा देने वाले हैं। पिछले सात वर्षों से पार्टी का नेतृत्व कर रहे पाटिल ने नए नेतृत्व की आवश्यकता का हवाला दिया है, जिससे आंतरिक कलह, रणनीतिक पुनर्स्थिति या प्रतिद्वंद्वी गुटों के साथ संभावित भविष्य के गठजोड़ की अटकलें लगाई जा रही हैं।

सूत्र बता रहे हैं कि शरद पवार के अनुभवी और भरोसेमंद सहयोगी शशिकांत शिंदे, पाटिल की जगह लेने के लिए तैयार हैं। मंगलवार दोपहर 3 बजे होने वाली राज्य कार्यकारिणी की बैठक में इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। महाराष्ट्र के बेहद महत्वपूर्ण नगर निगम चुनावों में नेतृत्व परिवर्तन को एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है।

शिंदे के साथ एक और दावेदार, राजेश टोपे, भी उभर रहे हैं, जो शरद पवार खेमे में एकजुटता और नए नेतृत्व की आंतरिक तलाश को दशार्ता है।

भाजपा-शिंदे-सेना और उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना जैसी प्रतिद्वंद्वी ताकतें भी नगर निगम चुनावों में कड़ी टक्कर दे रही हैं, ऐसे में एनसीपी का यह निर्णायक फेरबदल जमीनी समर्थन को मजबूत करने के उसके इरादे का संकेत देता है।

काशी विश्वनाथ मंदिर में धूम धाम से मनाया गया स्थापना दिवस

भायंदर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी के विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर की तर्ज पर भायंदर पूर्व के आरएनपी पार्क परिसर में देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में बनवाए गए काशी विश्वनाथ मंदिर की स्थापना दिवस पर सुंदरकांड पाठ एवं महाप्रसाद (भंडारा) का भव्य आयोजन किया गया। सुबह 8 बजे रुद्राभिषेक के साथ आरंभ स्थापना दिवस समारोह देर रात तक चलता रहा। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख गणमान्य लोगों में वरिष्ठ नगरसेवक मदन उदित नारायण सिंह, उमाशंकर तिवारी, परसोत्तम पांडे, समाजसेवी बीआर मिश्रा, एडवोकेट आरजे मिश्रा, अभयराज चौबे, एडवोकेट राजकुमार मिश्रा, उपेंद्र सिंह, विनोद तावड़े, नीरज तिवारी, संतोष मिश्रा, पंडा तिवारी, ब्रिजमणी दुबे, लल्लू तिवारी, रामशब्द शर्मा आदि का समावेश रहा। 12 जुलाई, 2000 में स्थापित मंदिर का यह 26वां वर्ष रहा।

नंदिनी प्रजापति बनी सीए, शुभचिंतकों ने दी शुभकामनाएं

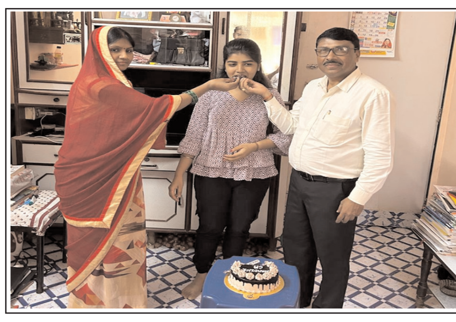

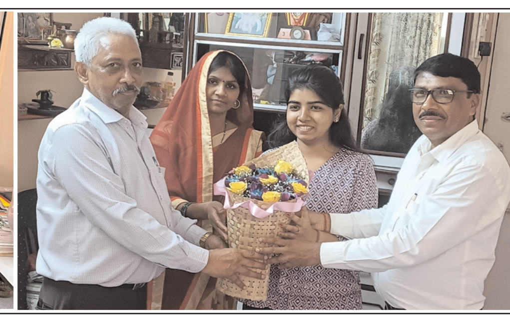

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कहते हैं कि अगर हौसला बुलंद हो तो कोई कार्य करने में उसे कोई कठिनाइयां रोक नहीं सकती। लाख कठिनाइयां आए लेकिन वह अपनी मंजिल को पाने में सफलता हासिल कर ही लेता है। इसी प्रकार एक साधारण परिवार की बिटिया ने अपनी मेहनत व परिश्रम के बल पर सीए प्रथम बार में ही परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है।

बता दे की मुंबई के घाटकोपर स्थित पंतनगर में रहने वाले अवधनाथ प्रजापति जो एलआईसी एडवाइजर के रूप में कार्य करते हैं। उन्होंने अथक परिश्रम कर अपने बच्चों को एक अच्छी शिक्षा देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ा। इसी प्रकार उनके बच्चों ने भी पिता की कड़ी मेहनत और उनके हौसलों को बरकरार रखते हुए सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर उनका मनोबल बढ़ा दिया। इतना ही नहीं उनकी बिटिया नंदिनी प्रजापति ने पहली बार में सीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर न हीं परिवार का मनोबल बढ़ाया बल्कि समाज व अपने गांव का नाम रोशन किया है। इस संबंध में जब नंदिनी से बात किया गया तो नंदिनी ने अपने इस सफलता का श्रेय माता-पिता व अपनी टीचर को दिया। उन्होंने बताया कि हमारी पढ़ाई में हमारे माता-पिता ने अपना भरपूर सहयोग दिया। कभी मेरे सामने किसी कठिनाई को नहीं आने दिया। उन्होंने हमारा मनोबल हमेशा बढ़ाने का प्रयास किया। नंदिनी ने बताया कि जब मैं आठवीं कक्षा में पढ़ रही थी तभी मेरी क्लास की टीचर ने मेरी पढ़ाई व काबिलियत को देखते हुए उन्होंने कहा कि आपको सीए की पढ़ाई करनी चाहिए। उन्हीं की प्रेरणा से मैं सीए बनने के लिए हर संभव प्रयास करना शुरू किया, और आज इस मुकाम तक पहुंच पाई। नंदनी प्रजापति ने बताया कि लोग कहते हैं कि सीए की पढ़ाई बहुत कठिन होती है। लेकिन मेरा मानना है कि सीए की पढ़ाई कम खर्चे में और कड़ी मेहनत से पढ़ी जा सकती है। अगर हौसला बुलंद है तो कोई भी पढ़ाई कठिन नहीं होती। उन्होंने कहा कि लोगों के अंदर किसी कार्य को करने के लिए एक आत्मविश्वास की जरूरत होती है। अगर उसके अंदर आत्मविश्वास है तो वह सफलता अवश्य प्राप्त करेगा। उसके लिए परिवार व अपने टीचर का सहयोग जरूरी होता है। नंदिनी की इस सफलता पर उनके शुभचिंतकों ने उन्हें शुभकामना दी है। अवधनाथ के घाटकोपर स्थित आवास पर समाज के सुरेश प्रजापति, राम जन्म प्रजापति, ओमप्रकाश प्रजापति, एस आर मौर्य सेल्स मैनेजर स्टार हेल्थ पहुंचकर बिटिया नंदनी को केक काटकर व पुष्प गुच्छ देकर शुभकामना दी और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसी प्रकार शुभकामना देने वालों में प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति, बालचंद प्रजापति, शरद प्रजापति, धर्मराज प्रजापति, अखिलेश, हरिवंश, कल्लू गुप्ता, उमेश जायसवार, प्रेमचंद मिश्रा, भारत शुक्ला, संजय मिश्रा, अवधेश मिश्रा, सुरेंद्र यादव, शशिकांत यादव, रामलाल यादव, डॉक्टर शेषधर बिंद सहित तमाम लोगों ने अपनी शुभकामनाएं दी हैं। अवधनाथ प्रजापति मूल रूप से उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जनपद अंतर्गत लालगंज तहसील के भोपालपुर, गोसाईं बाजार निवासी हैं।

वरिष्ठ भाजपा नेता मोईज शेख का हृदयाघात से आकस्मिक निधन

राजनीतिक व सामाजिक जगत में शोक की लहर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला अंतर्गत स्थित दहानू शहर के मसोली क्षेत्र निवासी वरिष्ठ भाजपा नेता और समाजसेवी मोईज शेख का शुक्रवार 11 जुलाई 2025 को दिल का दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। उनके असमय निधन की खबर से पालघर जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले स्व. मोईज शेख के निधन से जिले ने एक कर्मठ और जनप्रिय नेता को खो दिया।

बतादें कि स्व. मोईज शेख ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने से पूर्व कांग्रेस पार्टी में वरिष्ठ पद पर कार्य किया था। वह पालघर जिला कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रहे थे। राजनीति में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उनका अंतिम संस्कार उनके पुत्र असद शेख द्वारा संपन्न कराया गया। वे अपने पीछे वृद्ध माता, पत्नी और एक पुत्र को छोड़ गए हैं। स्व. मोईज शेख के निधन पर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है और उनके परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। उनके जाने से पालघर जिले में एक सशक्त नेतृत्व की क्षति हुई है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं दिखाई देती।

कैंटेबिल ने वसई ईस्ट में अपने नए स्टोर का उद्घाटन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के अग्रणी परिधान निमार्ता और खुदरा विक्रेताओं में से एक कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड ने वसई ईस्ट में अपने नए खुदरा स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की है। 1338 वर्ग फुट क्षेत्र में फैला यह ब्रांड स्टोर गार्डवेल स्वास्तिक होराइजन, गोखिवारे रोड, फादरवाड़ी पेट्रोल पंप के सामने, रेंज ऑफिस के पास, वसई ईस्ट में स्थित है, जो ब्रांड की विस्तार यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। एक्सेसरीज के साथ पुरुषों के लिए फॉर्मल-वियर, कैजुअल और पार्टी-वियर कपड़ों के व्यापक चयन की पेशकश करने के लिए समर्पित कैंटाबिल ने खुदरा अनुभव को फिर से परिभाषित किया है। कैंटाबिल ने फैशन उद्योग में एक नेता के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है।

कैंटाबिल रिटेल इंडिया लिमिटेड के निदेशक श्री दीपक बंसल ने कहा, ₹हम वसई ईस्ट में अपने नए मेन्सवियर और एक्सेसरीज एक्सक्लूसिव स्टोर को पेश करते हुए रोमांचित हैं। कैंटाबिल ने मिड-प्रीमियम सेगमेंट में अपार प्रशंसा प्राप्त की है, जो ग्राहकों के बीच खासा लोकप्रिय है। हमारा नया स्टोर पुरुषों के लिए फैशन-फॉरवर्ड परिधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित करेगा। पूरे भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति के साथ हम आने वाले वर्षों में अपने खुदरा क्षेत्र का और विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैंटाबिल ने लगातार अत्याधुनिक शैली के साथ प्रीमियम कपड़े पेश किए हैं, जो उभरते फैशन परिदृश्य को दशार्ते हैं। ब्रांड लगातार क्लासिक और स्टाइलिश परिधानों का संग्रह प्रस्तुत करता है और यह ग्राहकों को बेजोड़ फैशन अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है।

डेसिबल सीमा में सुधार की आवश्यकता, विधायक सना मलिक-शेख ने ध्यान आकर्षित किया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र सरकार से सिफारिश करने का वादा किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत निर्धारित ध्वनि प्रदूषण सीमाएँ वर्तमान स्थिति में अपर्याप्त साबित हो रही हैं, और अणुशक्ति नगर विधानसभा की विधायक सना मलिक-शेख ने आज सदन में धार्मिक ध्वनि प्रदूषण के मुद्दे पर चर्चा के दौरान यह महत्वपूर्ण सिफारिश करके सदन का ध्यान आकर्षित किया।

बता दें कि ध्वनि प्रदूषण अधिनियम वर्ष 2000 में बनाया गया था। इसके तहत आवासीय क्षेत्रों में दिन में 55 और रात में 45 डेसिबल की सीमा निर्धारित है। जबकि व्यावसायिक क्षेत्रों में यह सीमा दिन में 65 और रात में 55 तथा औद्योगिक क्षेत्रों में दिन में 75 और रात में 70 है। हालाँकि, आज यह डेसिबल सीमा पार हो चुकी है, इसलिए इन सीमाओं में सुधार की आवश्यकता है। यह विषय केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। राज्य सरकार इसमें बदलाव नहीं कर सकती, लेकिन अगर राज्य में सर्वेक्षण कराया जाए और सर्वसम्मति से केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाए, तो हम नई डेसिबल सीमा में सुधार करवा सकते हैं, साथ ही सदन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित कर सकते हैं कि सदन में डेसिबल सीमा 60 से ऊपर है। इस बीच, विधायक सना मलिक-शेख द्वारा उठाए गए मुद्दे का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह मुद्दा सही है और उन्होंने इस मुद्दे पर विस्तार से विचार करने और संशोधित सीमा के संबंध में केंद्र सरकार को सिफारिश भेजने का आश्वासन दिया।

डीआरआई ने 35 करोड़ रुपये मूल्य के चीनी पटाखे जब्त किए, एक व्यक्ति गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एजेंसी के ऑपरेशन फायर ट्रेल के तहत 35 करोड़ रुपये मूल्य के चीनी पटाखों और आतिशबाजी का पता लगाया और उसे जब्त कर लिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पटाखे और आतिशबाजी सात कंटेनर में छिपाकर रखे गए थे, जो मुंबई के निकट न्हावा शेवा बंदरगाह, पड़ोसी गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह और कांडला एसईजेड के पास रखे हुए थे या वहीं जाने थे।

अधिकारी ने बताया कि 100 मीट्रिक टन वजन वाले इन चीनी पटाखों को केएएसईजेड इकाई और कुछ आईईसी धारकों के नाम पर अवैध रूप से आयात किया गया था।

उन्होंने बताया कि इनमें से कुछ खेपों को कांडला एसईजेड के माध्यम से केएएसईजेड इकाई द्वारा डोमेस्टिक टैरिफ एरिया (डीटीए) में भेजे जाने के उद्देश्य से लाया गया था। इन्हें गलत तरह से साज-सज्जा वाले पौधों, कृत्रिम फूल और प्लास्टिक के मैट के नाम पर लाया गया था। उन्होंने कहा कि एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की जांच जारी है।

गुरुपूर्णिमा एक भावपूर्ण अभिवादन

मुंबई। विद्या विकास शिक्षा समिति के संस्थापक स्व. पी .एम. राउत की 88वीं जयंती और गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में, डॉ. वा. शं. मटकर संगीत विद्यालय ने मंगलवार, 15 जुलाई को शाम 6 बजे से 9 बजे तक एक विशेष गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

स्वर्गीय श्रीमती विद्या पी. राउत की प्रेरणा से 1983 में शुरू हुई यह गुरुपूर्णिमा परंपरा इस वर्ष अपने 42वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय से संबद्ध इस संगीत विद्यालय की विरासत और सांस्कृतिक योगदान का विशेष महत्व है। इस पावन दिवस के अवसर पर, गुरुवर्य स्व. पं. म. राऊत की स्मृति में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। एम. राउत सर द्वारा प्रस्तुत ₹गुरु वंदना₹ गायन, वादन एवं नृत्य विभाग के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत की जाएगी, जो इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण होगा। सुप्रसिद्ध निर्देशक एवं अभिनेता सचिन गोस्वामी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे, सुप्रसिद्ध तबला वादक पं. कालीनाथ मिश्रजी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्या विकास एजुकेशन सोसाइटी की ट्रस्टी एवं डॉ. वा. शं. मटकर संगीत विद्यालय की केंद्र प्रमुख डॉ. मेघा शेट्टी करेंगी। संस्था के सचिव डॉ. विनय राउत, उपकार्यकारी डॉ. अनघा राउत एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन प्रस्तुतकर्ता हेमंत बर्वे करेंगे। संस्था ने अपील की है कि सभी संगीत प्रेमी, विद्यार्थी, अभिभावक एवं नागरिक इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित होकर गुरुओं को नमन करें।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

थाना समाधान दिवस पर 11 प्रार्थना पत्र पड़े, दो का मौके पर हुआ निस्तारण

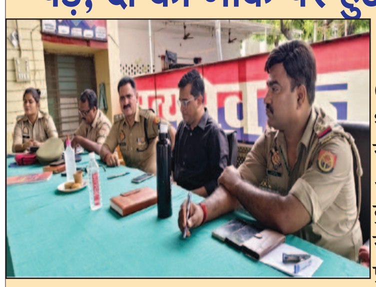

-विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को थाना परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी कुमार गौरव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमे कुल 11 प्रार्थना पत्र पड़े और उसमे से दो प्रार्थना पत्रों का मौके पर निस्तारण किया गया।अन्य प्रार्थना पत्रों को सम्बन्धित विभाग को सौंपते हुए एसडीएम कुमार गौरव ने कहा की जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है।मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों और लेखपालों को समास्याओं का शीघ्र से शीघ्र निस्तारण का निर्देश दिया। उक्त मौके पर डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान, एसआई प्रदीप सिंह, राम विचार, कस्बा कानून गो संजय सिंह, लेखपाल संजय सिंह, सदानंद भट्ट, विवेक सिंह, ऋतुराज चौधरी सहित समस्त लेखपाल मौजूद रहे।

जौनपुरः कांवरियों पर की गई पुष्प वर्षा, दिखा आपसी सौहार्द

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जफराबाद कस्बे में कांवर लेकर जा रहे कांवरियों के ऊपर नगर पंचायत जफराबाद के चेयरमैन प्रतिनिधि द्वारा पुष्प वर्षा की गई। बता दें कि जफराबाद कस्बे से हर हर महादेव कांवरिया संघ के नेतृत्व में शनिवार को कांवरियों का जत्था काशी विश्वनाथ में जलाभिषेक करने के लिए कांवर लेकर जा रहा था मुख्य मार्ग पर नगर पंचायत जफराबाद के चेयरमैन प्रतिनिधि डॉ.सरफराज खान ने अपने सहयोगियों के साथ कांवरियों पर पुष्प वर्षा कर उन्हें रवाना किया गया। डॉ.सरफराज खान द्वारा कांवरियों पर पुष्प वर्षा करने के दौरान आपसी एकता और प्रेम देख कांवरिया संघ भी प्रसन्न दिखे। कांवरियों के पुष्प वर्षा करने के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि के साथ सभासद रविकांत मोदनवाल, जोगेंद्र निषाद, ओवैश खान, अजहर जमाल, शाहनवाज, विवेक जायसवाल, वेद प्रकाश, शिवम, सौरभ आदि मौजूद रहे।

घर से विद्यालय गई दो छात्राए प्रेमी के साथ फरार

मड़ियाहूं, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक छात्रा की मां व एक की बहन ने शुक्रवार को कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 10 जुलाई को दोनों बच्चियां घर से बिद्यालय जाने के लिए निकली। शाम तक घर नहीं पहुंची तो काफी खोजबीन करने पर भी नहीं मिलीं। दोनों कक्षा 8 की छात्राएं है, दोनों दो अलग-अलग लड़कों से मोबाइल पर बात करती थीं। तहरीर के आधार पर परऊपुर निवासी अमन पुत्र राजेश व रोहित पुत्र अज्ञात के विरुद्ध पुलिस मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्रवाई कर रही है। प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

समाधान दिवस : मात्र दो मामले के निस्तारण से फरियादी हुए मायूस

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना परिसर में शनिवार को नायब तहसीलदार शीतला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान छह मामले सामने आए, जिनमें से दो का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। अधिकतर मामले राजस्व विभाग से संबंधित थे।नायब तहसीलदार शीतला प्रसाद सिंह ने बताया कि समाधान दिवस में आने वाले मामलों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शेष मामलों का निस्तारण जल्द ही किया जाएगा। थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय ने बताया कि अन्य मामलों के निस्तारण के लिए टीमों को गठित कर मौके पर रवाना किया गया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष रामाश्रय रॉय, कस्बा चौकी इंचार्ज मोहम्मद तारीक अंसारी, हेड कांस्टेबल नफीस अहमद, कांस्टेबल बृकेश यादव और अंकुश सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस के साथ यूटेलसैट में प्रस्तावित पूंजी वृद्धि में शामिल हुआ

पेरिस। यूटेलसैट (आईएसआईएनः FR0010221234 - यूरोनेक्स्ट पेरिस / लंदन स्टॉक एक्सचेंजः ईटीएल) ने घोषणा की कि यूनाइटेड किंगडम[1], यूटेलसैट द्वारा 19 जून, 2025 को घोषित पूंजी वृद्धि में भाग लेने वाला है। इस अन्य महत्वपूर्ण संदर्भ शेयरधारक की अतिरिक्त भागीदारी होने के बाद, इस घोषित पूंजी वृद्धि से जुटाई जाने वाली कुल राशि बढ़कर ■1.5 बिलियन हो जाएगी, जो यूटेलसैट के दीर्घकालिक रणनीतिक दृष्टिकोण के कार्यान्वयन को और अधिक मजबूत बनाएगी।

महामहिम की सरकार, यूनाइटेड किंगडम के विज्ञान, नवाचार और प्रौद्योगिकी सचिव के माध्यम से, फ्रांसीसी राज्य (एपीई - एजेंसी डेस पार्टिसिपेशन्स डे ल'एटेट के माध्यम से), भारती स्पेस लिमिटेड, सीएमए सीजीएम, और एफएसपी (सामूहिक रूप से रिजर्व्ड कैपिटल इंक्रीज इन्वेस्टर्स) के साथ आरक्षित पूंजी वृद्धि (रिजर्व्ड कैपिटल इंक्रीज) और ह्यआरक्षित पूंजी वृद्धि के बाद उसकी शेयरधारिता के अनुपात में राइट्स इश्यू की सदस्यता लेने की प्रतिबद्धता में शामिल हुई है, कुल निवेश राशि ■ 163.3 मिलियन है। आरक्षित पूंजी वृद्धि (रिजर्व्ड कैपिटल इंक्रीज) के निवेशकों की प्रतिबद्धताएं, कैलेंडर वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के अंत के आसपास आयोजित होने वाली शेयरधारकों की असाधारण बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन, नियमित नियामक अनुमोदन, तथा आरक्षित पूंजी वृद्धि (रिजर्व्ड कैपिटल इंक्रीज) के बाद के स्वामित्व ढांचे को दशानें वाले संशोधित, सांठगांठ न करने वाले शेयरधारकों का समझौता (नॉन-कंसर्टिंग शेयरधारकों का समझौता) की पारस्परिक रूप से स्वीकार्य शर्तों के तहत उचित निष्पादन, इत्यादि के अधीन हैं।

भाजपा नेता रमेश पांडे का जन्मदिन मनाया गया

वसई रोड। भारतीय जनता पार्टी के थाना विभाग के कोंकण पूर्व सचिव रमेश पांडे का जन्मदिन वसई रोड पश्चिम में 97 वॉर्ड भाजपा कार्यालय में बहुत हर्षोल्लास से मनाया गया। जिसका आयोजन वसई विरार जिला पूर्व सचिव मनोज शर्मा ने किया, साथ में लालजी कनोजिया, मार्कण्ड पांडे,कल्पेश चौहान,हर्षित शाह,और कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे। सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी ने रमेश पांडे को लंबी स्वस्थ आयु की शुभ कामना दिया, और अंत में रमेश पांडे ने सभी का धन्यवाद किया। मनोज शर्मा का भी आभार जताया।

वाराणसी में सावन में बंद रहेंगी मीट-मछली की दुकानें, होगा 40 मिनट में शिकायतों का निस्तारण

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के मेयर अशोक कुमार तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को नगर निगम कार्यकारिणी की 6 घंटे लंबी बैठक आयोजित हुई। इसमें सावन मास के लिए सभी विभागों को अलर्ट मोड में रहने और 40 मिनट के भीतर शिकायतों के निवारण के निर्देश दिए गए। साथ ही, सावन माह में नगर निगम सीमा क्षेत्र में मीट, मछली, और मुर्गा की दुकानों को पूरी तरह बंद रखने का निर्णय लिया गया। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी।

बैठक के प्रमुख बिंदु

बैठक की शुरूआत उपसभापति नरसिंह दास द्वारा पिछली बैठक की पुष्टि के प्रस्ताव से हुई, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। इसके बाद शासनादेशों पर चर्चा हुई।

संयुक्त नगर आयुक्त कृष्ण चंद्र ने वर्ष 2025-26 के वृक्षारोपण कार्यक्रम की जानकारी दी। अपर नगर आयुक्त विनोद कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम और पशु कल्याण अधिकारी संतोष पाल ने एबीसी डॉग केयर सेंटर संचालन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मेयर ने निर्णय लिया कि एबीसी सेंटर 6 माह तक अनुबंधित संस्था से संचालित होगा, फिर नगर निगम स्वयं इसे चलाएगा।

संयुक्त नगर आयुक्त कृष्ण चंद्र ने सारंग तालाब के पास 2.5 हेक्टेयर नगर निगम की भूमि पर 2.94 करोड़ रुपये की लागत से मीयावाकी फॉरेस्ट पार्क बनाने का प्रस्ताव पेश किया, जिसे स्वीकृत कर शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए गए। आईडीएच कज्जाकपुरा में यूनिटी मॉल निर्माण में बाधक 33 वृक्षों की नीलामी का प्रस्ताव रखा गया। मेयर ने सागौन और जामुन के वृक्षों की उचित मूल्य पर नीलामी और शेष वृक्षों को काटकर सर्दियों में अलाव के लिए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए।

महाप्रबंधक जलकल के फीकल स्लज निस्तारण प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित कर अग्रिम कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। उपसभापति नरसिंह दास ने सावन माह में घाटों की सफाई और सीवर ओवरफ्लो रोकने का प्रस्ताव रखा। मेयर ने सामान्य अभियंत्रण, जलकल, आलोक, और स्वास्थ्य विभाग को समन्वय के साथ काम करने और क्यूआरटी गठित कर 40 मिनट में शिकायत निवारण के निर्देश दिए।

हौसला बुलंद चोरों ने बाइक पर किया हाथ साफ

मीरगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मीरगंज थाना क्षेत्र के जंघई पुलिस चौकी के महज कुछ ही दूरी पर मोटरसाइकिल चोरी का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी रवि कांत दुबे पुत्र प्रेम नारायण दुबे ग्राम अमाई थाना मीरगंज जनपद जौनपुर ने मीरगंज थाना क्षेत्र के जंघई चौकी के बगल तिवारी कटरा कॉलोनी में अपनी हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल UP62BH5804 खड़ी कर मोटरसाइकिल को लांक भी कर दिये और इंटरसिटी ट्रेन पकड़कर वाराणसी अपने निजी काम के लिए चले गये और कार्य पूर्ण करके जब वाराणसी से जंघई कटरा कॉलोनी पहुंचे तो देखा कि मोटरसाइकिल मौके से नदारत है।

देखते ही पैरों तले जमीन खिसक गई इधर-उधर खोजबीन की गई लेकिन कुछ अता-पता नहीं चला घटना पुलिस चौकी के पास होने के कारण लोगों का अब पुलिस से विश्वास उठने लगा है।

वहां मौजूद लोगों ने इस बात को लेकर विभिन्न प्रकार की चचाएं करने लगे की पुलिस चौकी के पास ऐसी घटना हो रही है तो चोरों का हौसला बढ़ना लाजमी है आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती है।प्रार्थी रविकांत ने पुलिस चौकी इंचार्ज को लिखित प्रार्थना पत्र दे दिया है और पुलिस से बाइक खोजने में मदद मांगी है पुलिस छानबीन करते हुए सी सी टीवी फुटेज खंगालने में जुटी हुई है।मीरगंज पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज खंगाला जा रहा है ऐसी घटना को अंजाम देने वाला अगर गिरफ्त में आता है तो कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

171.49 लाख की छह सड़क परियोजना का किया गया शिलान्यासः राज्यमंत्री

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण गिरीश चन्द्र यादव ने मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित / मलिन बस्ती विकास योजना के अंतर्गत रु 104.41 लाख की लागत से चार सड़क परियोजना का एवं चीनी मिल परिक्षेत्र में कृषि विपणन में एक मुश्त योजना के अंतर्गत दो संपर्क मार्ग के पुनः निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इन दोनों संपर्क मार्ग के पुनः निर्माण कार्य की अनुमानित लागत लगभग रुङ्ग 67.08 लाख है। जिन सड़कों का शिलान्यास किया उसमें प्रमुख रूप से परमानतपुर में मैहर देवी ओलंदगंज मार्ग से सपना आइस्क्रीम होते हुए रूहट्टा तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य,अनुमानित लागत 46.52 लाख, मैहर देवी ओलंदगंज मार्ग से भैंसासुर मंदिर तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य, अनुमानित लागत 15.99 लाख, नक्खास में हिचकी चाट की दुकान से चांदनी मैचिंग सेंटर तक व फलवाली गली के सामने से बेनीराम की पुरानी दुकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य,अनुमानित लागत 26.70 लाख, नक्खास वार्ड में विसर्जन घाट से पूर्व सांसद के सिंह के मकान से होते हुए अनिल कुमार के मकान तक इंटरलॉकिंग व नाली निर्माण कार्य,अनुमानित लागत 15.20 लाख, कनवरिया प्रथम भाग संपर्क मार्ग के पुनः निर्माण कार्य अनुमानित लागत 31.90 लाख, कनवरीया द्वितीय भाग संपर्क मार्ग के पुनः निर्माण कार्य अनुमानित लागत 35.18 लाख है। शिलान्यास के दौरान प्रमुख रूप से मण्डल अध्यक्ष कमलेश निषाद, अजय यादव, अजय सिंह, सभासद सतेंद्र सिंह, राजेन्द्र मौर्य, बसन्त प्रजापति, दीपक मिश्रा, मनीष श्रीवास्तव, जटाशंकर, शिवकुमार मौर्या सहित अन्य मौजूद रहे।

100 यूनिट का बिजली बिल 840 रुपए लेने की तैयारी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के 3.45 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को जल्द ही बड़ा झटका लग सकता है। बिजली कंपनियों ने दरों में रिकॉर्ड 45% तक की बढ़ोतरी का प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा है। बुधवार को इस पर पहली जनसुनवाई कानपुर के केस्को मुख्यालय में हुई। इसमें उपभोक्ताओं, कारोबारी संगठनों और परिषदों ने मीटर रीडिंग से लेकर बिलिंग गड़बड़ी, ट्रिपिंग और ओवर चार्जिंग तक के मुद्दे गिनाते हुए विरोध दर्ज कराया राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपए का सरप्लस है। फिर भी कंपनियां दरों में बढ़ोतरी कर जनता पर बोझ डाल रही हैं। प्रस्ताव के लागू होते ही घरेलू उपभोक्ताओं के बिल 30 से 45% तक बढ़ सकते हैं। नई दरों में प्रति यूनिट रेट 8 से 12 रुपए तक पहुंच जाएगा। आयोग टैरिफ याचिका पर आपत्तियों की सुनवाई जुलाई में पूरी कर लेगा। सितंबर तक नई दरों के लागू होने की बात कही जा रही है आखिर क्यों बिजली की दरों में बढ़ोतरी को प्रदेश की एक ट्रिलियन इकॉनामी तक पहुंचने में सबसे बड़ा बाधा बताया जा रहा है। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की दलील है कि जब किसी राज्य में उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है। तब कोई भी कानून दरों में बढ़ोतरी की इजाजत नहीं देता। इसे लौटाने पर कोई बात नहीं हो रही। उलटे 45% तक दरों में वृद्धि कर सीधे आम आदमी पर भारी बोझ डाला जा रहा है विद्युत नियामक आयोग के सामने उपभोक्ताओं, कारोबारियों ने एक स्वर में केस्को के 18 से 40 फीसदी तक टैरिफ बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध किया। आपत्तियों में घरेलू उपभोक्ताओं और कारोबारियों कहा कि टैरिफ लगाने से बिजली के रेट में कई गुना इजाफा हो जाएगा। इससे महंगाई बढ़ने के साथ ही उद्योग भी प्रभावित होंगे दलील दी जा रही है कि एक तरफ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की औद्योगिक व्यवस्था को एक ट्रिलियन करने का लक्ष्य रखा है, जबकि टैरिफ लगाने से बिजली की 9 से 10 रुपए यूनिट हो जाएंगी। इसका असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ेगा।

चिराना बावनी प्रवासी वेलफेयर सोसाइटी का हुआ गठन

सीकर। सीकर शहर में रह रहे चिराना बावनी के प्रवासी प्रबुद्ध जनों की एक बैठक बसंत बिहार स्थित डॉक्टर अर्जुन सिंह शेखावत के निज निवास पर आयोजित की गई जिसमें चिराणा कस्बे सहित इसके आसपास के लगते गांवो के निवासी जो सीकर में रह रहे हैं, उन सभी को एक मंच पर लाकर उनके विकास एवं समस्याओं की समाधान करने का संकल्प लिया गया।

जानकारी देते हुए सेवानिवृत्ति वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अर्जुन सिंह शेखावत ने बताया कि गठित की गई इस वेलफेयर समिति का उद्देश्य आपसी भाई चारा, मेलजोल को बढ़ावा देना तो है ही साथ ही एक दूसरे के सुख दुख में सहयोग करना भी सर्वोपरी रहेगा।सब जानते है कि आज के दौर में शहरी जीवन में कई तरह की मुसीबतें आती है रहती है ऐसे में

उनके समाधान के लिए यह संगठन काम करेगा। सार्थक सोच के बल पर बना यह वेलफेयर निश्चित ही समाधान का नया मंच होगा और इस गठन से जहां लोगों में अपने पन का अहसास होगा वहीं सामाजिक सरोकार का दायरा भी बढ़ता नजर आएगा।

विकास के प्रति भी भावना स्वत ही बढ़ेगी और विकास कार्य करने में भी मजबूती के साथ आगे आने की एक पहल इस संगठन से देखने को मिलेगी। डॉक्टर शेखावत ने बताया कि शीघ्र ही एक व्हाट्सएप ग्रुप भी इस नाम से क्रिएट कर सभी समुदाय के लोग जो चिराना बावनी के हैं और सीकर में रहते हैं ,उनको जोड़ा जाएगा।आपसी रायशुमारी से शीघ्र ही वेलफेयर की कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा ताकि शीघ्र ही इस पुनीत सोच को मूर्त रूप दिया जा सके आयोजित इस बैठक में वरिष्ठ शिक्षाविद डीएम सैनी,टोडरमल शेखावत,रिटायर्ड एडिशनल एसपी जगदीश प्रसाद मीणा, किशोर सैनी अध्यापक,सोहनलाल सैनी रिटायर्ड सैनिक,प्रोफेसर गजानंद कुमावत, प्रताप सिंह शेखावत रिटायर्ड बैंक अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी व मंडलायुक्त ने लिया तैयारियों का जायजा

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। गंगा व वरुणा नदियों के जलस्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए वाराणसी प्रशासन ने बाढ़ से निपटने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार व मंडलायुक्त एस. राजलिंगम ने शनिवार को अलग-अलग स्थलों का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। बता दें, बाढ़ के खतरे को भांपते हुए वाराणसी प्रशासन पूरी तत्परता से जुट चुका है। जिलाधिकारी और मंडलायुक्त स्वयं निरीक्षण व समीक्षा में लगे हैं। जनता से अपील की गई है कि वे अफवाहों से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने सलारपुर ग्राम स्थित प्राथमिक विद्यालय में बनाई गई बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया। उन्होंने हाईजेनिक किचन, स्वच्छ शौचालय, टेंट, मेन्यू के अनुसार भोजन, गैस कनेक्शन, डॉक्टर की उपलब्धता, विद्युत सुरक्षा और साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए वैकल्पिक शिक्षा व्यवस्था भी की जाए। फॉगिंग और चूने का छिड़काव नियमित रूप से कराया जाए।

जिलाधिकारी ने सामने घाट क्षेत्र में ज्ञान प्रवाह नाले का भी निरीक्षण किया और वहां 10 पंपिंग मशीनें लगाने का आदेश दिया ताकि जलभराव से रहवासियों को कोई परेशानी न हो।

बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए डीएम ने कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष चौबीसों घंटे सक्रिय रहे, और हर सूचना को तुरंत दर्ज कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राहत सामग्री ह राशन, दवाइयां, पेयजल ह की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। मंडलायुक्त एस. राजलिंगम की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में 46 रैनबसेरों को क्रियाशील बनाने की योजना पर अमल शुरू हो चुका है ह जिसमें 25 शहरी व 21 ग्रामीण क्षेत्र के शिविर शामिल हैं।

इन रैनबसेरों में बेड, चादर, स्वच्छ पानी, शौचालय, गुणवत्तापूर्ण भोजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने नगर निगम को शहर भर में विशेषकर वरुणा नदी के किनारे सफाई अभियान चलाने, सायरन व लाउड हेलर एक्टिव रखने, माक ड्रिल आयोजित करने और सिविल डिफेंस की ड्यूटी लगाने के निर्देश भी दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारा, भूसा, पानी की व्यवस्था और टीकाकरण पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। सेतु निगम व लोक निर्माण विभाग को सड़कों व पुलों की मरम्मत सुनिश्चित करने का निर्देश मिला।

अपनी ही जमीन पर निर्माण नही करा पा रहा है पीड़ित

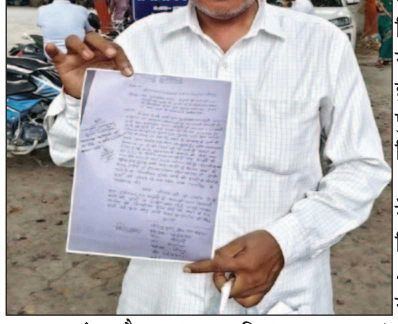

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। एक गरीब परिवार को अपने ही जमीन पर मकान निर्माण करने के नाको चने चाबाना पड़ रहा है।क्योंकि गॉव के कुछ मनबढ़ किस्म के व्यक्ति निर्माण कार्य मे हर बार बाधा डाल कर निर्माण कार्य रोक दे रहे हैं। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हुसैनाबाद निवासी वीरेंद्र कुमार पुत्र रामबहाल का गाटा संख्या 432 आबादी की भूमि में स्थित मकान निर्माण को अवैध तरीके से रोकने का आरोप लगाते हुए पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दिया।

तहरीर में वीरेंद्र कुमार ने कहा की लेखपाल की रिपोर्ट में भी गाटा संख्या 432 में निर्माण कराया जा रहा है।और विपक्षी की गाटा संख्या 433 में कोई वास्ता सरोकार नही है। फिर भी विपक्षी ने निर्माण कार्य को रोक कर व्यवधान डाल रहे हैं। पीड़ित के अनुसार मामले की सूचना पहले भी कोतवाली पुलिस को दी गयी थी। मगर कोई ठोस कार्यवाई नही हो सकी।

वाराणसी के चिकित्सकों की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि, लैप्रोस्कोपी पर आधारित शोधपत्र में प्रकाशित, प्रदेश में अग्रणी स्थान

सुरेश गांधी

वाराणसी। दीनदयाल राजकीय चिकित्सालय, वाराणसी के चिकित्सकों ने चिकित्सा शोध के क्षेत्र में बड़ा मुकाम हासिल किया है। अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सकों डॉ. प्रेम प्रकाश, डॉ. शिवेश जायसवाल, डॉ. संदीप चौधरी और डॉ. बृजेश कुमार का संयुक्त शोधपत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक मेडिसिन एंड फामेर्सी (खअटढ) में प्रकाशित हुआ है। यह उपलब्धि न केवल चिकित्सालय के लिए गौरव का विषय है, बल्कि उत्तर प्रदेश के शासकीय स्वास्थ्य तंत्र के लिए भी एक प्रेरणास्रोत बन गई है। यह उपलब्धि चिकित्सालय के गौरवशाली इतिहास में एक मील का पत्थर मानी जा रही है। शोध में गाल ब्लैडर की पथरी के इलाज में पारंपरिक 'ओपन सर्जरी' बनाम 'लैप्रोस्कोपिक सर्जरी' के प्रभावों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। 260 मरीजों पर आधारित इस अध्ययन में से 160 की सर्जरी लैप्रोस्कोपी विधि से और 100 की ओपन सर्जरी से की गई। लैप्रोस्कोपी से रक्त हानि, दर्द, संक्रमण और भर्ती की अवधि में उल्लेखनीय कमी देखी गई। रोगी की रिकवरी अधिक तेज और जटिलताओं की संभावना न्यूनतम रही। आँकड़ों को स्टूडेंट्स-टी टेस्ट और चाई-स्क्वायर टेस्ट जैसे स्टैटिस्टिकल टूल्स से परखा गया, जिससे निष्कर्षों की वैज्ञानिक प्रामाणिकता प्रमाणित हुई। बता दें, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एकेडमिक मेडिसिन एंड फामेर्सी (खअटढ) एक ओपन-एक्सेस, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिका है जो चिकित्सा और फामेर्सी के क्षेत्र में वैज्ञानिक लेखों को प्रकाशित करती है। यह पत्रिका बुनियादी और नैदानिक चिकित्सा, और फामेर्सी के सभी पहलुओं को शामिल करती है। खअटढ, मूल शोध लेख, समीक्षाएँ, संपादक को पत्र और केस रिपोर्ट प्रकाशित करता है। यह पत्रिका वर्ष में दो बार, जून और दिसंबर में प्रकाशित होती है। शोध में यह अनुशंसा की गई है कि सरकारी अस्पतालों में शल्य चिकित्सकों को लैप्रोस्कोपी तकनीक में विशेष प्रशिक्षण दिया जाए। इससे मरीजों को सस्ते, सुरक्षित और कम तकलीफदेह इलाज का लाभ मिल सकेगा। यह बदलाव जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़ा सुधार साबित हो सकता है। इस शोध की अंतरराष्ट्रीय मान्यता से वाराणसी चिकित्सा जगत में उत्साह है। चिकित्सालय प्रशासन ने इसे स्थानीय चिकित्सा प्रतिभा की वैश्विक पहचान बताया और कहा कि यह उपलब्धि आने वाले चिकित्सकों के लिए मार्गदर्शन और प्रेरणा बनेगी। लैप्रोस्कोपी विधि से रक्त हानि, दर्द, इंफेक्शन का खतरा और भर्ती अवधि में उल्लेखनीय कमी देखी गई। ओपन सर्जरी के मुकाबले लैप्रोस्कोपी में रोगी की शीघ्र रिकवरी और सामान्य जीवन में वापसी का समय कहीं कम है। निष्कर्ष में यह सुझाव भी दिया गया है कि शल्य चिकित्सकों को लैप्रोस्कोपी तकनीक में प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हो सके। यह शोध जनहित में एक महत्त्वपूर्ण संकेत देता है कि यदि राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में लैप्रोस्कोपी जैसी उन्नत तकनीक को अपनाया जाए और शल्य चिकित्सकों को इस विधि में प्रशिक्षित किया जाए, तो ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर लाभ मिल सकता है। इस उपलब्धि पर वाराणसी के चिकित्सकीय एवं शैक्षणिक जगत में हर्ष व्यक्त किया गया है। दीनदयाल चिकित्सालय प्रशासन ने इसे ह्लस्वस्थ भारत के निर्माण में स्थानीय योगदानह्न करार दिया है।